mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-246 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

06 सितम्बर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

यूएस ओपन 2025: @ पेज 7

मुंबई में ब्लास्ट की धमकी, हाई अलर्ट

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंक 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने शहर भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) व अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। दरअसल, शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर निकलेंगे। इसलिए सुरक्षा को और सख्त कर दिया गया है। पुलिस ने शहर के अहम इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और कई जगहों पर कॉम्बिंग ऑपरेशन चल रहे हैं।

अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

एआईएडीएमके में एकजुटता की कोशिशें तेज

पूर्व मंत्री का अल्टीमेटम- 10 दिन में फैसला लें पलानीस्वामी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके में एकजुटता की कोशिशें तेज हो गई हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री केए सेंगोट्टइयान ने पार्टी के नेता पलानीस्वामी को अल्टीमेटम दिया है कि वे 10 दिनों के भीतर पार्टी से निष्कासित नेताओं को फिर से पार्टी में शामिल करने का फैसला करें। पार्टी से निष्कासित चल रहीं शीर्ष नेता शशिकला ने भी सेंगोट्टइयान की पहल का समर्थन किया है।

एआईएडीएमके नेता का पार्टी नेतृत्व को अल्टीमेटम: इरोड में एआईएडीएमके पार्टी के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में सेंगोट्टइयान ने पार्टी के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में कहा कि अब समय आ गया है, जिन नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया गया, उन्हें माफ कर दिया जाए और उन्हें फिर से पार्टी के साथ

जम्मू-पंजाब में बाढ़ से हरियाणा की 8 ट्रेन कैंसिल

पंचकूला,एजेंसी। जम्मू कश्मीर और पंजाब में भारी बारिश के कारण पैदा हुए बाढ़ के हालातों के कारण हरियाणा की 8 ट्रेन कैंसिल हो गई हैं। जम्मू से चलकर पंजाब के रास्ते ये ट्रेन हरियाणा के सिरसा, हिसार होते हुए राजस्थान और गुजरात को जाती हैं। कुछ ट्रेन राजस्थान से हरियाणा के रेवाड़ी, गुरुग्राम होते हुए दिल्ली, यूपी के रास्ते पंजाब होते हुए जम्मू को जाती हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बाढ़, नोएडा के कई सेक्टर डूबे

राजस्थान के अजमेर में बोराज तालाब टूटा, 1000 घरों में पानी; पंजाब में 43 मौतें

नई दिल्ली/चंडीगढ़/ शिमला/ देहरादून, एजेंसी। बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। दिल्ली-हृष्टक्र में लगातार बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भरा है।

हरियाणा के पंचकूला, हिसार, रोहतक और झज्जर में सभी स्कूल बंद हैं। फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और फरीदाबाद में भी कुछ स्कूल बंद कर दिए गए हैं। गुरुग्राम की सिग्नेचर ग्लोबल सलोरा सोसाइटी में गुरुवार को पानी भर गया। इससे महिलाएं और बच्चे घरों में कैद हो गए।

राजस्थान के अजमेर में गुरुवार रात भारी बारिश के बाद बोराज तालाब की दीवार ढह गई। इससे 1 हजार से ज्यादा घरों में अचानक सैलाब आ गया। लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई। पानी का बहाव इतना तेज था कि कई गाड़ियां बह गईं। मकान क्षतिग्रस्त हो गए। देर रात तक लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला।

पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य में अगले 5 दिन बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत मिल सकती है।

कश्मीर का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कटा कश्मीर में गुरुवार को बारिश और लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे सहित सभी सड़कें बह गईं या टूट गईं। इससे घाटी का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कट गया है। झेलम नदी का जलस्तर कम हो गया है। नदी अब खतरे के निशान से नीचे बह रही है। हालांकि, एहतियात के तौर पर, कश्मीर रीजन के स्कूल और कॉलेज शनिवार, 6 सितंबर तक बंद कर दिए गए हैं।

जम्मू के रामबन जिले में भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड के बाद 283 घर क्षतिग्रस्त हो गए। 950 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। रामबन के डिप्टी कमिश्नर अलयास खान ने बताया कि लगातार बारिश के कारण 29 अगस्त को रामबन के राजगढ़ तहसील के द्रुबला गांव में अचानक बादल फटने से बाढ़ और लैंडस्लाइड हुई थी।

हिमाचल में 11 दिनों से फंसे 50 यात्रियों का चिनूक हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू : हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला के भरमौर में 11 दिनों से फंसे 50 मणिमहेश श्रद्धालुओं को शुक्रवार सुबह वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर से चंबा लाया गया। चंबा से सभी श्रद्धालुओं को सरकारी बसों में पठानकोट भेजा जा रहा है। भरमौर में अभी भी देशभर से 400 से ज्यादा श्रद्धालु फंसे हुए हैं।

भरमौर में 24 से 27 अगस्त के बीच भारी बारिश और लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई थीं। इससे यात्री फंस गए थे। इस दौरान 11 श्रद्धालुओं की मौत भी हुई थी।

लुधियाना में बाढ़ का खतरा बढ़ा :सतलुज पर बना बांध आधा बहा, तेजी से कटाव हो रहा; सेना-एनडीआरएफ तैनात

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब के लुधियाना ईस्ट में सतलुज नदी के तेज बहाव से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। ससराली बांध कमजोर हो गया है। हालांकि प्रशासन ने हालात पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है। सेना, NDRF और स्थानीय लोग मिलकर चौबीसों घंटे बांध को मजबूत करने में जुटे हैं। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने शुक्रवार को खुद मौके पर जाकर बांध की मरम्मत और सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। ष्ठष्ट ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। अगर सतलुज का पानी और बढ़ा तो लुधियाना के 14 गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। राहों रोड, टिब्बा रोड, ताजपुर रोड, नूरवाला रोड और समराला चौक तक पानी पहुंच सकता है। वहीं साहनेवाल के धनांसू इलाके में भी पानी भरने की आशंका है, जिससे 50 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हो सकते हैं। भाखड़ा डैम का जलस्तर भी खतरे के निशान 1680 फीट के करीब पहुंच गया है। फिलहाल जलस्तर 1678.74 फीट है। डैम के चारों गेट 10-10 फुट तक खोले गए हैं। इस समय बांध में पानी की आमद 76,318 क्यूसेक और निकासी 80,792 क्यूसेक की जा रही है।

बांध टूटा तो 14 गावों को होगा खतरा :ससराली, बूंट, रावत, हवास, सीड़ा, बूथगढ़, मंगली टांडा, ढेरी, ख्वाजके, खासा खुर्द, मंगली कादर, मत्तेवाड़ा, मांगत और मेहरबान शामिल हैं। प्रशासन ने कहा- तुरंत राहत शिविर में जाएं- इन इलाकों के लोगों को जरूरी सामान और दस्तावेज सुरक्षित रखने तथा हालात बिगड़ने पर तुरंत सुरक्षित स्थानों या बनाए गए रेस्क्यू सेंटर्स पर जाने की सलाह दी गई है।

सीएम सिद्धारमैया ने राष्ट्रपति से पूछा- कन्नड़ आती है

मुर्मू बोलीं- हर भाषा-परंपरा से प्यार, कन्नड़ भी सीखूंगी भाजपा का सवाल- सोनिया से पूछने की हिम्मत है

मैसूरु, एजेंसी। कर्नाटक के मैसूर में 1 सितंबर को अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान (AIISH) का गोल्डन जुबली समारोह था। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू थीं। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया भी मौजूद थे। वे पहले स्पीच देने गए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा- क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं। सिद्धारमैया की स्पीच के बाद द्रौपदी मुर्मू भाषण देने आईं। उन्होंने सिद्धारमैया को जवाब देते कहा- मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं हैं, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं।

राष्ट्रपति ने आगे कहा, सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने का कोशिश करूंगी।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया। पूर्व मंत्री सुरेश कुमार ने कहा कि सिद्धारमैया में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या सोनिया गांधी से यही सवाल पूछने की हिम्मत नहीं है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बोले- सिद्धारमैया की टिप्पणी अहंकार से भरी

इस घटना पर पूर्व ष्टरुबीएस येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि सिद्धारमैया की टिप्पणी अहंकार, अपमानजनक और राजनीतिक दिखावे से भरी है। इसने राज्य की आतिथ्य परंपरा का उल्लंघन किया है। विजयेंद्र ने आगे लिखा, कन्नड़ हमारा गौरव है, लेकिन एक भाषा को एकजुट करना चाहिए और पुल का निर्माण करना चाहिए, न कि इसे कभी भी दूसरों को नीचा दिखाने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

बयानबाजी से बचें, जमीनी स्तर पर करें काम, बिहार भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में अमित शाह की नसीहत

पटना, एजेंसी। बिहार में इस साल के अंत तक विधानसबा के चुनाव होने है। इसके लिए राजनातिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। ऐसे में गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में प्रदेश के नेताओं को बेवजह की बयानबाजी से बचने और विपक्षी महागठबंधन के मुद्दों के खिलाफ जमीनी स्तर पर सक्रिय अभियान चलाने की नसीहत दी है। कोरग्रुप की बैठक में शाह ने साफ कर दिया है कि इस बार उम्मीदवारों के चयन में स्थानीय कार्यकर्ताओं की भावनाओं को पहली प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने राज्य इकाई को जल्द से जल्द चुनाव अभियान समिति गठित करने सभी विधानसभा सीटों पर सक्रियता बढ़ाने का भी निर्देश दिया है।

चार घंटे तक चली बैठक :बुधवार को करीब चार घंटे बैठक में विपक्षी महागठबंधन की ओर से एसआईआर के खिलाफ जारी अभियान की काट पर बैठक हुई। इस दौरान प्रदेश के नेताओं को जीएसटी दर में परिवर्तन के कारण नवरात्र से गरीबों और मध्य वर्ग को मिलने वाली राहत का जोरशोर से प्रचार करने का निर्देश दिया गया। सूत्रों ने बताया कि शाह ने उम्मीदवारों के चयन के लिए विधानसभा स्तर पर प्रदेश नेतृत्व के साथ मिल कर कार्यकर्ताओं की भावनाओं के अनुरूप सूची तैयार करने का निर्देश भी दिया।

प्रधानमंत्री, विपक्षी नेता सभी की भाषा का स्तर गिरा, जमीयत अध्यक्ष मौलाना मदनी का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और संवाद का स्तर गिर गया है। मदनी ने प्रधानमंत्री, विपक्षी नेताओं और राज्य के नेताओं सहित सभी राजनीतिक दलों के नेताओं पर गलत और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। मौलाना महमूद मदनी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय नागरिक समाज द्वारा दिखाए गए सब्र की खूब तारीफ की।

असम सीएम की टिप्पणियों पर जताई नाराजगी :एक इंटरव्यू में, इस्लामी विद्वान ने कहा, अब मानक गिर गए है, यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी भी समुदायों के लिए अनुचित भाषा बोलते हैं, और विपक्ष ने भी स्तर गिरा दिया है। मौलाना महमूद मदनी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणियों पर भी कड़ी आपत्ति जताई और उन्हें अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा असम के मुख्यमंत्री की भाषा बेहद आपत्तिजनक है। वह राज्य के संरक्षक हैं, लेकिन जिस तरह की भाषा का वह इस्तेमाल कर रहे हैं वह गलत है। हम एक-दूसरे से असहमत हो सकते हैं, लेकिन मेरा उनसे आग्रह है कि बोलते समय सही शब्दों का इस्तेमाल करें।

भारत 5वीं जनरेशन के विमान के इंजन अमेरिका से लेगा

14000 करोड़ की डील, अमेरिकी कंपनी 80% तकनीक देने भी तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वॉर की तल्खी के बीच भारत की विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (GE) के बीच जेट इंजन को लेकर कई रक्षा सौदे फाइनल स्टेज में हैं। HAL सूत्रों के मुताबिक सबसे बड़ा सौदा जेट GE 414 इंजन का होने जा रहा है। यह इंजन भारत के 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान एम्का (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) में लगेगा। GE ने इस इंजन की 80% तकनीकी ट्रांसफर की HAL की शर्त मान ली है। सौदे में यह तय होना है कि GE इस इंजन के बाकी पार्टनर्स के साथ तकनीक ट्रांसफर की सहमति खुद लेगी या HAL को बातचीत में सहयोग देगी। इस करार के बाद GE-414 इंजन का प्रोडक्शन भारत में हो सकेगा। HAL 10 GE-414 इंजन खरीद चुकी है, ताकि एम्का का विकास न रुके।

दिव्यागों के लिए एम्बुलेंस, सुलभ सार्वजनिक परिवहन और पुनर्वास योजना...

सरकार ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने सड़क हादसों में दिव्यांग हुए लोगों के लिए नई ड्राफ्ट स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की है। इसमें दिव्यांग-हितैषी एम्बुलेंस, तेजी से पीड़ितों की निकासी, प्रशिक्षित पहले मददगार, सुलभ पब्लिक ट्रांसपोर्ट और व्यापक पुनर्वास योजनाओं का प्रावधान किया गया है। यह ड्राफ्ट दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (DEPwD) ने तैयार किया है और इसे पिछले महीने सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया गया।

2014 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सड़क सुरक्षा और हादसे के बाद देखभाल के लिए

SOP तैयार करने का निर्देश दिया था। उसी के तहत यह ड्राफ्ट तैयार किया गया है। इसमें हादसे के शिकार लोगों की पहचान, त्वरित चिकित्सा, पुनर्वास और लंबे समय तक सामाजिक रूप से जोड़ने की योजना शामिल है।

सड़क और परिवहन ढांचे पर जोर :ड्राफ्ट एसओपी के अनुसार, सभी नए और संशोधित सड़क व परिवहन ढांचे को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 और इंडियन रोड्स कांग्रेस (आईआरसी) कोड्स के अनुरूप बनाया जाएगा। इसमें टैक्टाइल पाथ, रैंप, ऑडिबल सिग्नल, लो-फ्लोर बसें और प्राथमिकता सीटिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नियमित रूप से एक्सेसिबिलिटी ऑडिट करने होंगे।

आपातकालीन व्यवस्था और एम्बुलेंस :हादसों के दौरान पुलिस, पैरामेडिक्स और मददगारों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रीढ़ या अंगों की चोट वाले पीड़ितों को सही तकनीक से संभाल सकें। एम्बुलेंस में रैंप और एडजस्टेबल स्ट्रेचर होंगे।

केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट पर बवाल, बीड़ी से की बिहार की तुलना ; भाजपा ने किया पलटवार

कोच्चि/नई दिल्ली/पटना। कांग्रेस की केरल इकाई की एक पोस्ट ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है, जिसमें बिहार और बीड़ी के बीच तुलना की गई थी। यह पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई थी, जिसे बाद में हटा दिया गया। इसमें केंद्र सरकार की ओर से बीड़ी पर जीएसटी दरों में कटौती को बिहार से जोड़ा गया था। पोस्ट में लिखा था, बीड़ी और बिहार दोनों बी से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही सिगरेट, बीड़ी और तंबाकू पर संशोधित जीएसटी दरों की जानकारी साझा की गई थी। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस हटाई गई पोस्ट को अपने एक्स हैंडल से साझा किया और कांग्रेस पर हद पार करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, कांग्रेस फिर से सीमा पार कर गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां की गाली देने के बाद अब बिहार की तुलना बीड़ी से कर दी है!

रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट- भारत में बुजुर्ग बढ़े

केरल में सबसे ज्यादा; 50 साल में बच्चों की आबादी भी 17प्रतिशत घटी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की आबादी अब धीरे-धीरे उम्रदराज हो रही है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की 2023 की सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (SRS) रिपोर्ट के मुताबिक देश में 0 से 14 साल के बच्चों की आबादी में लगातार गिरावट आ रही है, जबकि बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। साथ ही, कामकाजी उम्र (15 से 59 साल) के लोगों की हिस्सेदारी भी बढ़ी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश की कुल प्रजनन दर (फर्टिलिटी रेट) 1971 में 5.2 थी, जो 2023 में घटकर 1.9 रह गई है।

0 से 14 साल के बच्चों की आबादी 1971-81 के बीच 41.2त्न से घटकर 38.1त्न हो गई थी। इसके बाद 1991 से 2023 के बीच यह और घटकर 24.2त्न रह गई। यानी पिछले 50 साल में बच्चों की हिस्सेदारी में करीब 17त्न की गिरावट आई है।

इस बढ़ोतरी का असर क्या- ● आर्थिक असर : बच्चों की संख्या घटना मतलब भविष्य में कार्यबल छोटा होगा। आर्थिक विकास की गति धीमी होना संभव बच्चे ज्यादा तो खर्च अधिक; भविष्य में पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ेगा।

● सामाजिक असर : सिंगल चाइल्ड या नो चाइल्ड परिवार बढ़ सकते हैं। बुजुर्गों को संभालने वाले कम होंगे। प्रति बच्चे पर निवेश बढ़ सकता है, यानी बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान संभव है।

कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या बढ़ी :15 से 59 साल के लोगों की आबादी में लगातार इजाफा हो रहा है। 1971-81 के बीच यह 53.4प्रतिशत से बढ़कर 56.3प्रतिशत हुई। 1991 से 2023 के बीच यह और बढ़कर 66.1त्न हो गई। दिल्ली में इस उम्र वर्ग की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 70.8प्रतिशत है। वहीं, बिहार में यह सबसे कम 60.1प्रतिशत है। शहरी इलाकों में कामकाजी उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 68.8प्रतिशत है, जबकि ग्रामीण इलाकों में 64.6प्रतिशत है। जम्मू-कश्मीर में ग्रामीण महिलाओं की हिस्सेदारी सर्वाधिक 70.1प्रतिशत है।

बुजुर्गों की आबादी 9.7प्रतिशत हुई, केरल में सबसे ज्यादा : देश में बुजुर्गों की संख्या भी बढ़ रही है। 2023 में 60 साल से ऊपर की आबादी 9.7प्रतिशत हो गई है। केरल में यह सबसे ज्यादा 15.1प्रतिशत है। इसके बाद तमिलनाडु (14प्रतिशत) और हिमाचल प्रदेश (13.2प्रतिशत) का स्थान है। उधर, देश की कुल प्रजनन दर 1971 में 5.2 थी, जो 2023 में घटकर 1.9 हो गई। वहीं, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 0-14 आयु वर्ग में लड़कों की संख्या लड़कियों से ज्यादा है, सिर्फ दिल्ली के ग्रामीण इलाकों को छोड़कर।

इधर... शिशु मृत्यु दर 10 साल में 37.5प्रतिशत कम हुई : देश में शिशु मृत्यु दर 2023 में घटकर 25 रह गई है। यह 2013 में 40 थी। यानी 10 साल में इसमें 37.5प्रतिशत की गिरावट आई है। यह जानकारी भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) रिपोर्ट 2023 में दी गई है।शिशु मृत्यु दर किसी भी देश की स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को दर्शाने वाला अहम पैमाना है। यह प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर एक साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु की संख्या को दर्शाता है।

डीयू शिक्षक संघ चुनाव में लहराया भगवा परचम, भाजपा समर्थित एनडीटीएफ के प्रो. नेगी बने अध्यक्ष

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ चुनाव में भगवा परचम लहराया है। भाजपा समर्थित शिक्षक संगठन एनडीटीएफ के प्रो वीएस नेगी डूटा अध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने वामपंथी संगठन डीटीएफ के प्रो राजीव रे को 638 मतों से हराया। बीते साल भी एनडीटीएफ ने डूटा अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी। तब प्रो ए.के भागी अध्यक्ष बने थे। रात दो से तीन बजे के बीच घोषित किये गए थे नतीजे। प्रो को 3766 वोट मिले जबकि राजीब रे को 2728 वोट मिले। आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन एएडी टीए के राजेश झा को 1451 मत मिले।

डूटा चुनाव में 84 प्रतिशत मतदान, कार्यकारिणी के नतीजे घोषित : दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान उत्साहपूर्ण रहा, जिसमें 9,800 पात्र शिक्षकों में से 8,221 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार 84 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2023 में दर्ज 85.85 प्रतिशत से थोड़ा कम है। कला संकाय और सत्यकाम भवन में स्थापित 32 मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हुए मतदान में अध्यक्ष पद के छह उम्मीदवारों और कार्यकारिणी सदस्यों के 15 पदों के लिए 25 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला हुआ। अध्यक्ष पद के लिए मतगणना देर रात तक जारी रही और जबकि कार्यकारिणी के नतीजे घोषित किए गए। डूटा कार्यकारिणी के लिए 15 सदस्य चुने गए, जिनमें आकांक्षा खुराना 9,576 वोट पाकर शीर्ष पर रहीं। उनके बाद रामानंद सिंह (9,192) और मनीष कुमार (7,372) रहे। अन्य विजेता हैं साक्षी यादव (6,612), दिनेश कटारिया (6,439), अमित सिंह (6,388), बिमलेंदु (6,081), संजय कुमार (5,862), विश्वजीत मोहंती (5,658), छोटू राम मीना (5,632), भूपेन्द्र सिंह (5,338), यश यादव (5,283), वी एस दीक्षित (5,238), देवेन्द्र के राणा (4,521) और धनराज मीना (3,949).

डूटा चुनाव के रंग में रंगा नजर आया कैंपस : दिल्ली विश्वविद्यालय बृहस्पतिवार को शिक्षक संघ चुनाव के रंग में रंगा नजर आया। चुनाव को लेकर शिक्षकों में सुबह से ही उत्साह रहा। सुबह 10 बजे शुरू मतदान पांच बजे तक चला जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक वोट डालने के लिए पहुंचे। इस दौरान मतदान केंद्रो के बाहर प्रत्याशी व उनके समर्थक वोट मांगते रहे। मतदान के बाद देर शाम वोटों की गिनती भी शुरू हो गई। एक हजार वोटों की गिनती तक एनडीटीएफ के प्रत्याशी डॉ. वीएस नेगी करीब 300 वोट से आगे चल रहे थे। नॉर्थ कैंपस स्थित आर्ट फैकल्टी व सत्यकाम भवन में 5 बजे संपन्न हुई।

कृष्णा नगर विधायक के बैंक खाते से 9.80 लाख की ठगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कृष्णा नगर के विधायक डॉ. अनिल गोयल के साथ 9.80 लाख की ठगी हो गई। विधायक के अस्पताल के खाते से ठगों ने दिन-दहाड़े बड़े ही शातिर तरीके से रकम एक अन्य खाते में ट्रांसफर करवा ली। आरोपी विधायक का प्रतिनिधि बनकर बैंक पहुंचा। वहां किसी अन्य व्यक्ति ने बैंक मैनेजर से विधायक बनकर बातचीत की। फोन पर विधायक बनकर बात कर रहे व्यक्ति ने बैंक मैनेजर से बिना चेक और बिना सत्यापित पत्र के रकम ट्रांसफर करने के लिए कहा। बैंक ने भी बिना किसी जांच के रकम को किसी संजय कुमार के खाते में ट्रांसफर कर दी। विधायक को इसका पता चला तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि विधायक की शिकायत पर साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। वारदात 29 अगस्त को दोपहर करीब 12.44 बजे हुई। वारदात की जानकारी होने के बाद विधायक झील स्थित बैंक पहुंचे तो बैंक अधिकारियों ने उनको दिए गए दस्तावेज दिखाए। आरोपियों ने फर्जी साइन व फर्जी लैटर हेड का इस्तेमाल किया था। विधायक ने बैंक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस संबंध में बैंक को उन्होंने एक ईमेल भी किया है।

दिल्ली में कांग्रेस के खिलाफ लगातार तीसरे दिन भी भाजपा कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी । बिहार में कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वर्गीय मां को अपशब्द कहे जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कांग्रेस के खिलाफ मयूर विहार और उत्तर पश्चिम जिले में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। उन्होंने इस बाबत संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से देश से माफी मांगने को भी कहा। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मौजूद जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री की स्वर्गीय मां को अपशब्द कहना सिर्फ उनका ही नहीं बल्कि बेटों को जन्म देने वाली सभी माताओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन सिर्फ मयूर विहार जिले में ही नहीं बल्कि दिल्ली के सभी 14 जिलों में आयोजित किया गया हैं। उन्होंने कहा कि इस बयान को लेकर दिल्लीवालों में कांग्रेस के प्रति काफी गुस्सा है और जब तक राहुल गांधी देश से माफी नहीं मांगते तब तक यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस हो या फिर राष्ट्रीय जनता दल में से किसी भी पार्टी के मंच से देश के प्रधानमंत्री की माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग मात्र संयोग नहीं बल्कि यह कांग्रेस की राजनीति है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस के हताश नेता प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपशब्दों का प्रयोग करने से बाज नहीं आते। सचदेवा ने कहा कि कांग्रेस का नरेन्द्र मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद इस इस तरह की बयानबाजी का लंबा इतिहास रहा हैं जिसके तहत आए दिन कांग्रेस नेता अपशब्दों का प्रयोग करके अपनी मानसिकता का परिचय देते रहते हैं। मयूर विहार के जिला अध्यक्ष विजेंद्र धामा के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री विनोद बछेती, जिला सह प्रभारी नरेश वशिष्ठ, विधायक रवि नेगी और रविकांत सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशियों को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। द्वारका इलाके में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को पकड़ कर विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) सेंटर भेज दिया गया है। इनमें 13 नाइजीरिया तथा दो बांग्लादेशी नागरिक हैं।

द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने शुक्रवार को बताया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद ये सभी इलाके में रह रहे थे। द्वारका पुलिस जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। पुलिस के मुताबिक, इस अभियान में थाना मोहन गार्डन ने पांच, जिले की एंटी-नारकोटिक्स सेल यूनिट ने पांच, थाना उत्तम नगर से 3 और थाना डाबड़ी से 2 विदेशी नागरिक पकड़े गए। सभी को एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया, जहां से डिपोर्टेशन के आदेश जारी हुए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, नाइजीरिया के जिन नागरिकों को पकड़ा गया, उनमें ओकवुचुक्कु जॉन ओकाफोर, एजिके इकपारा, ओन्येकाची न्वोन्वू, अकुनेसी उगोंना, न्गोसिना माइकल न्वासा, चाइनेडु विक्टर, फेमी जिमो अडेबाजो, फिडेलिस एकेना, ओकेकचुक्कु ओगोचुक्कु, चुक्कुएमेका उचे डेनियल, एनिक्फे इग्नेशियस, उचे क्रिस चुक्कु और डेसमंड अबालिग्बो ओनयेबुच शामिल हैं। वहीं, बांग्लादेश के दो नागरिकों की पहचान अब्दुल मोमिन और नुरुल आलम के रूप में हुई है।

बाढ़ ने रोके सरकारी कामकाज, विकास परियोजनाओं पर असर; बारापुला एलिवेटेड कॉरिडोर भी बाधित

दिल्ली, एजेंसी। यमुना में बाढ़ के कारण सरकारी कामकाज और विकास से जुड़ी परियोजनाएं प्रभावित हो गई हैं। परिवहन विभाग की बुराड़ी अथॉरिटी में पानी भरने से कामकाज बंद कर दिया गया है। विभाग की ओर से नोटिस जारी कर रविवार तक काम बंद रहने की जानकारी दी गई है। वहीं, यमुना का जलस्तर बढ़ने से बारापुला फेज-तीन एलिवेटेड कॉरिडोर का भी काम रुक गया है। मेट्रो की ब्लू लाइन के यमुना बैंक स्टेशन के आसपास पानी भरने से स्टेशन से यात्रियों का निकलना और प्रवेश करना मुश्किल भरा हो गया है। दिल्ली मेट्रो की ओर से यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों पर विचार करने के लिए कहा गया है। हालांकि, ट्रेनों की आवाजाही में कोई समस्या नहीं है। इधर, पानी भरने से बुराड़ी अथॉरिटी के बंद होने से वाहनों की फिटनेस जांच बंद हो गई है। ऑटो चालकों के कई संगठनों ने फिटनेस जांच में देरी पर लगने वाले जुर्माने को माफ करने की मांग की है।

यह जुर्माना पहले दिन 500 रुपये और प्रतिदिन के 20 रुपये के हिसाब से लगाया जाता है। ऑटो टैक्सी चालकों का कहना है कि परिवहन विभाग ने स्वयं अथॉरिटी बंद की है इसलिए इस दौरान देरी होने पर जुर्माने को माफ किया जाए। दिल्ली में करीब एक लाख तिपहिया और करीब 50 हजार विभिन्न श्रेणियों की टैक्सियां हैं जिनकी फिटनेस बुराड़ी अथॉरिटी में की जाती है। प्रतिदिन करीब 250 तिपहिया और टैक्सियों की फिटनेस होती है।परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि जुर्माना माफ करने के लिए मुख्यालय को पत्र भेजा गया है।

यमुना के किनारों के विकास कार्य भी प्रभावित : बाढ़ से यमुना के किनारों पर किए गए विकास कार्यों पर भी असर पड़ा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान यमुना किनारे असिता ईस्ट पार्क बनाया गया। करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक लागत से यह बनकर तैयार हुआ है। इसी पार्क से हाट एयर बैलून भी उड़ाने की तैयारी थी। अब पानी कम होने के बाद पार्क को पहले संवारा जाएगा। इस पार्क में चार हजार से अधिक पेड़, पौधे व अलग-अलग प्रजातियों के फूल आदि भी लगे हैं। इसी तरह बांस थीम पार्क बांसेरा में भी यमुना का पानी पहुंच गया है। 25 हजार से अधिक विशेष किस्म के बांस के पौधे यहां पर लगे हुए हैं।

स्पाई कैमरे से बाजार में महिला का बनाया अश्लील वीडियो, आरोपी पायलट किशनगढ़ से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के किशनगढ़ इलाके से एक सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ है। जहां पुलिस ने एक निजी एयरलाइन के पायलट को छेड़छाड़ और आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहित प्रियदर्शी के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा का रहने वाला है। पुलिस को उसके पास से एक लाइटर जैसा हिडन स्पाई कैमरा मिला है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बीती 30 अगस्त की रात करीब 10-20 बजे किशनगढ़ गांव की रहने वाली एक महिला ने शनि बाजार में एक अज्ञात व्यक्ति को लाइटर के आकार के डिवाइस से आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करते हुए देखा। महिला की शिकायत पर किशनगढ़ थाना पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की और संदिग्ध की तस्वीर को प्रसारित किया। स्थानीय बीट स्टाफ और गुप्त सूत्रों की मदद से खुफिया जानकारी जुटाई गई, जिसके आधार पर मोहित प्रियदर्शी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार किया और बताया कि वह व्यक्तिगत संतुष्टि के लिए इस तरह के वीडियो बनाता था।

सोने की ईंट और आभूषण देख डोली मंगेतर की नियत, शादी से पहले ले उड़ा दुल्हन के डेढ़ करोड़ के गहने

नई दिल्ली, एजेंसी। सात फेरे लेने की तैयारी कर रहे मंगेतर ने जब अपनी होने वाली पत्नी के जेवरात और सोने की ईंट देखी तो उसकी नियत खराब हो गई। उसने पहले सोने, चांदी और हीरे के एक करोड़ से अधिक के आभूषण उड़ा लिए। युवती ने आभूषण बनवाने के लिए मंगेतर को सोने की ईंट दी। आरोपी ने चुपचाप सोने की ईंट बदलकर नकली रख दी। शक होने पर उसने मंगेतर नीतिश वर्मा से सख्ती से पूछताछ की तो आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। वह ईंट या पैसे वापस करने की बात करने लगा। नीतिश मौका लगते ही फरार हो गया। मामला दर्ज होने के बाद लोकल पुलिस के अलावा एंटी नारकोटिक्स सेल ने आरोपी को कौशांबी गाजियाबाद से दबोच लिया।

माता-पिता की हो चुकी है मौत : करोल बाग निवासी पीड़िता अपने भाई के साथ रहती है। माता-पिता की मौत हो चुकी है। भाई का प्रॉपर्टी बेचने-खरीदने के अलावा मोटा किराया आता है। वर्ष 2003 में पीड़िता के पिता ने उसकी शादी के लिए एक किलो सोने की ईंट खरीदी थी। इसके अलावा सोने व हीरे के जेवरात भी तैयार करवाकर रखे थे।

सहमति संबंध में रहते थे दोनों : करीब दो साल पहले पीड़िता की मुलाकात नीतिश वर्मा से हुई। नीतिश का ज्वेलरी बनाने का काम था। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और नीतिश पीड़िता के साथ सहमति से संबंध में भी रहने लगा। भाई ने फरवरी 2024 में दोनों की मंगनी कर दी। पीड़िता के साथ घर पर रहने के दौरान नीतिश ने उसके घर से एक करोड़ से ज्यादा के आभूषण तीन सोने के भारी सेट, चार हीरों के सेट, सोने की अंगूठियां, चूड़ियां, कड़े और चांदी के सामान चोरी कर लिए। शक होने के बाद भी उसने नजरअंदाज कर दिया। पुलिस ने अगस्त 2024 में मामला दर्ज कर लिया। दोनों साथ रहते रहे। 18 अगस्त 2025 को दोनों की शादी होनी थी। पीड़िता ने नए जेवरात बनवाने के लिए चोरी छिपे निशान लगाकर एक किलो सोने की ईंट दे दी। नीतिश ईंट लेकर गया और बाद में उसके नकली होने का दावा करने लगा।

असली सोने की ईंट की जगह नकली लेकर पहुंचा : पीड़िता ने उसे वापस बुलवा लिया। आरोपी ईंट लेकर पहुंचा तो पीड़िता को पता चला कि आरोपी ने असली की जगह नकली ईंट रखी हुई थी। पीड़िता का शक यकीन में बदल गया। उसने आरोपी से सख्ती से बात की। पुलिस से शिकायत करने की बात पर आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

नीतिश ने खरीद लिए कई प्लॉट. : पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने सोने की ईंट को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर अलग-अलग ज्वेलर को बेच दिया। इससे आए पैसों से सबसे पहले उसने 42 लाख का देहरादून में प्लॉट खरीदा। इसके अलावा 80 लाख रुपये उसने अपने माता-पिता को दिए। इसकी मदद से दिल्ली, देहरादून, मसूरी और हरिद्वार में प्रॉपर्टी खरीदी गई। पुलिस आरोपी से पूछताछ आभूषणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बांग्लादेश में डेढ़ लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा चुनाव का प्रशिक्षण

ढाका (बांग्लादेश), एजेंसी। अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव के मद्देनजर डेढ़ लाख (1,50,000) से ज्यादा पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका मकसद निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव कराना है। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) काजी जियाउद्दीन का कहना है, हम स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण राष्ट्रीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसकी सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, डीआईजी काजी ने कहा कि 1,50,000 या उससे अधिक पुलिसकर्मियों को सभी जरूरी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में तैनात और मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के मानव संसाधन (एचआर) विकास का प्रभार संभाल रहे जियाउद्दीन ने कहा कि पिछले तीन महीनों में चुनाव विशेषज्ञों और वकीलों के सुझावों को शामिल करते हुए नौ प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश पुलिस के दे में 130 छोटे और चार बड़े प्रशिक्षण केंद्र हैं। चुनाव ड्यूटी में हिस्सा लेने वाले सभी पुलिसकर्मियों को इन्हीं केंद्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। 31 अगस्त से तीन सितंबर तक ढाका स्थित पुलिस मुख्यालय में इन मॉड्यूल के तहत 150 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। आने वाले दिनों में देश भर के 19 पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में 1,292 मास्टर प्रशिक्षक तैयार करने की योजना बनाई गई है। पुलिस मुख्यालय इस सप्ताह के अंत गौरतलब है ।

अमेरिकी न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की

वाशिंगटन (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ धोखाधड़ी (आपराधिक) की जांच शुरू कर दी है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच में कौन से अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय शामिल हैं। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, कुक ने पहले अपने खुलासे में बताया था कि उनके जॉर्जिया, मैसाचुसेट्स और मिशिगन में घर हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि संघीय अभियोजकों ने समन जारी करना शुरू कर दिया है। इसलिए अनुमान है कि इन्हीं क्षेत्रों के कार्यालय जांच में शामिल होंगे।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इससे पहले फ़ेडरल हाउसिंग फ़ाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे के कार्यालय ने कुक के खिलाफ जांच कराई थी। इसमें साफ हुआ कि कुक ने एक मामले में अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए बैंक दस्तावेजों में हेराफेरी की। इसके बाद पुल्टे ने इस मामले को आपराधिक जांच के लिए न्याय विभाग को भेजा। इससे पहले ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह लिसा कुक को फ़ेडरल रिज़र्व से बाहर कर देंगे।

कुछ दिन पहले खबर आई कि कुक को बर्खास्त कर दिया गया। कुक ने प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनके वकीलों ने उनकी संभावित बर्खास्तगी को फ़ेडरल रिज़र्व की पारंपरिक स्वतंत्रता को कमजोर करने की एक अवैध कोशिश बताया। गुरुवार को एक बयान में कुक का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील एब्बे डी. लोवेल ने कहा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन अपने अतिक्रमण के लिए नए औचित्य गढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने न्याय विभाग को अमेरिकी इतिहास में शायद सबसे अधिक राजनीतिकरण वाला विभाग बताया। न्याय विभाग के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

ट्रंप ने तकनीक के दिग्गजों को दी डिनर पार्टी, मस्क रहे नदारद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में तकनीक के दिग्गजों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया। इस रात्रिभोज में अमेरिका के बड़े-बड़े दिग्गज शुमार हुए। हालांकि हैरान करने वाली बात ये रही कि एक समय राष्ट्रपति ट्रंप के बेहद करीबी रहे और उनकी सरकार में सरकारी दक्षता विभाग की अहम जिम्मेदारी निभाने वाले दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क इस पार्टी में शामिल नहीं हुए। वहीं एलन मस्क के विरोधी और ओपनएआई के संस्थापक सैम ऑल्टमैन इस रात्रिभोज में शामिल हुए।

एआई तकनीक को लेकर हुई बैठक: यह कार्यक्रम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक से संबंधित था और इसमें एआई से जुड़ा एक शोध प्रस्तुत किया गया। साथ ही इस बैठक में अमेरिकी कंपनियों द्वारा अमेरिका में किए जा रहे निवेश पर भी चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि एआई हमारे देश को एक नए स्तर पर ले जा रहा है। इस कार्यक्रम में शामिल हुए कई सीईओ, ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए। दुनिया के कुछ सबसे सफल उद्यमियों के साथ ट्रंप बेहद खुश दिखे। ट्रंप ने कंपनियों द्वारा किए जा रहे रिसर्च और नवाचार की तारीफ की। साथ ही तकनीकी प्रगति पर बात की।

ट्रंप ने सीईओ से पूछा- अमेरिका में कितना निवेश कर रहे: बैठक में ट्रंप ने विभिन्न सीईओ से उनकी कंपनियों द्वारा अमेरिका में किए जा रहे निवेश पर भी सवाल किए। ट्रंप ने मार्क जुकरबर्ग से पूछा कि उनकी कंपनी अमेरिका में कितना निवेश कर रही है, इस पर जुकरबर्ग ने जवाब दिया कि 600 अरब अमेरिकी डॉलर। एपल के टिम कुक ने भी यही कहा। गूगल के सुंदर पिचाई ने बताया 250 अरब डॉलर। इस पर ट्रंप ने माइक्रोसॉफ्ट के निवेश के बारे में पूछा तो कंपनी के सीईओ सत्या नडेला ने कहा कि उनकी कंपनी हर साल अमेरिका में 80 अरब डॉलर निवेश कर रही है। इस पर ट्रंप ने खुशी जताई।

एलन मस्क नहीं हुए शामिल : कार्यक्रम में मस्क की गैरमौजूदगी कई लोगों को खली, क्योंकि मस्क कभी ट्रंप के बेहद करीबी थे, लेकिन बाद में एक विधेयक को लेकर दोनों के रिश्तों में तल्खी आ गई और बात इतनी बढ़ी कि दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी की। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मस्क के प्रतिद्वंद्वी और ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में पेमेंट प्रोसेसिंग कंपनी शिफ्ट4 के प्रमुख जेरेड इसाकमैन भी शामिल हुए। व्हाइट हाउस ने बताया कि रात्रिभोज की अतिथि सूची में माइक्रोसॉफ्ट के सह-क ग्रेग ब्रॉकमैन भी शामिल थे।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिला स्तर पर खंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जिला मुख्यालय के त्रिवेणी पैलेश में खंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम 03 से 05 सितंबर 2025 तक आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विकासखंडों से आए मास्टर ट्रेनर्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के चित्र का माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह प्रशिक्षण जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री धनंजय मिश्रा के नेतृत्व में दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मिश्रा कहा कि जनजाति व्यक्ति और गांव अभी भी मुख्य धारा में सम्मिलित नहीं हो पाए हैं। अंतिम छोर पर बैठे जनजाति व्यक्ति को शासन की सभी सुविधाओं का लाभ मिल सके तथा आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षिक, स्वास्थ्य रूप से संपन्न और आत्मनिर्भर हो सके इस हेतु कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी विभागों को मिलकर एक साथ देना होगा अभी तक के प्रयास समन्वित नहीं रहे, समन्वित और एक साथ प्रयासों से ही यह हो पाएगा। पूरे मध्य प्रदेश में इस हेतु 3 लाख शासकीय कर्मचारी और अधिकारियों को प्रतिबद्ध लीडर के रूप में तैयार किया जा रहा है। ये सभी विभिन्न विभागों से होंगे तथा मिलकर काम करेंगे। इस कार्य में समुदाय तथा सामाजिक संगठन को साथ लिया जा रहा हैं। जनजाति गांव की योजना ग्राम स्तर पर बनेगी, जिससे गांव के लोग अपनी क्या जरूरत है, उन्हें सम्मिलित कर सकेंगे। अगले 5 साल यानी 2030 तक के लिए जनजाति ग्रामों का विजन प्लान तैयार होगा। भारत सरकार, राज्य स्तर, जिला स्तर, विकासखंड स्तर पर रेस्पॉन्सिव ग्रुप का गठन किया जा रहा है। ये ग्रुप अभियान का संचालन करेंगे तथा मॉनिटरिंग करेंगे। गांव में आदि सेवा केंद्र की स्थापना की जा रही है, जिसमें विभिन्न भागों की योजनाओं की जानकारी रहेगी। ग्रामीण जन अपनी समस्याएं भी इस सेवा केंद्र पर प्रस्तुत कर सकेंगे, जिसका निराकरण समय सीमा में किया जाएगा। ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनर्स सेक्टर पर ट्रेनिंग विभिन्न विभागों के कार्यों को अभियान के मैदानी कार्य के लिए प्रशिक्षित करेंगे। ग्राम स्तर पर गतिविधियां 30 सितंबर के पूर्व संपन्न होंगी, 2 अक्टूबर को इस हेतु विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन होगा।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन श्री मिश्रा ने कहा कि हमारे जिला मास्टर ट्रेनर्स पूर्ण समर्पण के साथ गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ब्लॉक लेवल मास्टर ट्रेनर रुचि के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं, हम अपने अभियान में कामयाब होंगे ऐसी उम्मीद है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने अभियान के उद्देश्यों, कार्ययोजना एवं क्रियान्वयन की रूपरेखा पर विस्तृत जानकारी ली। साथ ही मास्टर ट्रेनर्स को आगामी प्रशिक्षणों एवं गतिविधियों के संचालन के लिए तैयार किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र संयोजक जनजाति कार्य विभाग राजेश पटेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रशिक्षकगण उपस्थित रहे।

10 सितंबर तक 20 गांवों में 7 घंटे कटौती, बिजली सुधार कार्य किया जा रहा; सुबह 9 से 4 बजे तक आपूर्ति नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सीधी में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने का काम होगा। 33 केवी उपकेंद्र पटपरा से निकलने वाली फीडर पहाड़ी लाइन पर तार बदलने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के चलते 5 सितंबर से 10 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इससे जहां कमर्जी, पटपरा, सोनवर्षा, पहाड़ी सहित 20 गांव प्रभावित होंगे।

अधीक्षण अभियंता अजीत सिंह ने बताया कि 33 केवी उपकेंद्र पटपरा 33 केवी 30409 फीडर से जुड़ी सभी विद्युत

आपूर्ति प्रभावित होगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस अवधि में अपने दैनिक कार्यों की योजना पहले से बना लें। बिजली कंपनी ने कहा है कि इस दौरान कुछ असुविधा होगी। यह कार्य दीर्घकालिक हित में किया जा रहा है। कार्य पूरा होने के बाद उपभोक्ताओं को बेहतर और सुचारू आपूर्ति मिल सकेगी।

मृतक का कंकाल लेकर थाने पहुंचे परिजन, 1 माह बाद भी हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं; पुलिस बोलीं- साइबर सेल से ले रहे मदद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सरई थाने में शुक्रवार को मृतक पुष्पेंद्र साह के परिजन उसके कंकाल लेकर पहुंचे। परिजनों ने हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुष्पेंद्र साहू 7 जुलाई को घर से लापता हुआ था। 19 जुलाई को उसका कंकाल घर से 4 किलोमीटर दूर बिखा झरिया के जंगल में रेत के गड्ढे में मिला।

मृतक के पिता ज्योतिष लाल साहू ने बताया कि पुलिस सहयोग नहीं कर रही है। एक महीने से आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ संदिग्ध उनके दूसरे बेटे को धमकी दे रहे थे।

अब तक 20 लोगों से की पूछताछः सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि 20 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ की गई है। यह एक ब्लाइंड मर्डर का मामला है। साइबर सेल की मदद से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस जल्द ही किसी नतीजे पर पहुंचेगी।

नर कंकाल नार्को टेस्ट के लिए रीवा गया था और उनके माता-पिता का डीएनए टेस्ट के बाद शुक्रवार को थाने से परिजनों को कंकाल दिया जा रहा था। इसको लेकर वह प्रदर्शन करने लगे।

आध्यात्म का करे अनुशरण, युवाओं का है सच्चा मार्गदर्शक: अविराज

रीवा। शहर में विभिन्न जगहों पर गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। जहाँ भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है इस दौरान शहर की मुख्य सड़कों को रंगीन लाइटों से सजाया गया है और कई स्थानों पर भव्य पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई। जगह जगह भजन संध्या व अनेक भक्ति मय कार्यक्रम के आयोजन भी चल रहे है ऐसे में युवा नेता व समाजसेवी अविराज ने शहर के विभिन्न गणेश उत्सव कार्यक्रमों में शामिल हुए व पूजा अर्चना की। इस अवसर पर पंडाल में उपस्थित लोगों से संवाद भी किया उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव को लेकर युवाओं में गहरा उत्साह देखने को मिलता है।

वार्ड क्र 9 में सड़क एवं पुलिया निर्माण का हुआ भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वार्ड क्र 9 कैलाशपुरी में नरेंद्र द्विवेदी के घर से कौशलेंद्र एवं बेटा शुक्ला के घर तक आरसीसी सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वार्ड की पार्षद विमला सिंह और वरिष्ठ विशिष्ट नागरिक प्रभावती सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उप मुख्यमंत्री के निज सचिव राजीव तिवारी ने इस महत्वपूर्ण कार्य का भूमिपूजन अपने करकमलों से किया।

इस निर्माण कार्य की अनुमानित लागत 25.89 लाख रुपये है, और इसे नगर निगम संविदाकार एस0 आर0 कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोपराइटर अशोक द्विवेदी द्वारा कराया जाएगा। इस सड़क के निर्माण से वार्ड के निवासियों को कई लाभ होंगे, विशेषकर वर्षा के मौसम में कीचड़ और जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी।

इस अवसर पर नगर निगम उपयंत्री रमेश सिंह, मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी, पूर्व पार्षद सतीश सिंह, वार्ड संयोजक राजेश मिश्रा, वीणा शुक्ला, किशन मिश्रा, सचिन सिंह, राजाराम बुनकर, जयराम मिश्रा, राहुल भारती, नवीन पटेल, आशीष पटेल, शिवम शुक्ला, मृगेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, सुनीता सिंह, पिंकी तिवारी, ज्ञानेंद्र द्विवेदी, मोहित तिवारी, महेंद्र तिवारी, प्रभावती सिंह, राजेंद्र सिंह, यदुवंश तिवारी, रजनीश ओझा, अमित ओझा, नरेंद्र द्विवेदी, संजीव मिश्रा और वार्ड के कई सम्मानित जन एवं माताएं-बहनें उपस्थित रहीं।

सड़क के निर्माण से वार्ड के निवासियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी और उनकी दैनिक गतिविधियों में सुधार होगा। सभी उपस्थित लोगों ने उपमुख्यमंत्री, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय और पार्षद विमला सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस भूमिपूजन कार्यक्रम ने वार्ड के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सभी ने मिलकर इस कार्य की सफलता की कामना की और आशा जताई कि यह निर्माण कार्य जल्द ही पूरा होगा। वार्ड के निवासियों ने इस पहल के लिए स्थानीय प्रशासन और नेताओं की सराहना की और कहा कि इस तरह के विकास कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

इस प्रकार, वार्ड क्र 9 कैलाशपुरी में आरसीसी सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

न्यायिक मजिस्ट्रेट त्योंथेर से फिरौती मांगने वाले आरोपी को सोहागी पुलिस ने यूपी से किया गिरफ्तार

5 अरब की फिरौती मांगने का पत्र हुआ था वायरल

मीडिया ऑडीटर, सोहागी (निप्र)। न्यायिक मजिस्ट्रेट त्योंथर मोहनी भदौरिया को 5 अरब की फिरौती मांगने वाले आरोपी को सोहागी थाना प्रभारी निरीक्षक पवन शुक्ला के सक्रियता के चलते सोहागी पुलिस ने यूपी से गिरफ्तार किया।

त्योंथर न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहनी भदौरिया को 5 अरब की फिरौती का पत्र वायरल होते ही अनुविभागीय अधिकारी मनस्वी शर्मा आईपीएस के मार्गदर्शन में सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम ने न्यायिक मजिस्ट्रेट से 5 अरब की फिरौती मांगने वाले को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है।

बता दे कि 02 सितम्बर को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय त्यौंथर मोहिनी भदौरिया को रजिस्ट्री के माध्यम से एक धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें 5 अरब रुपए की मांग की गई थी नही देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। प्रेषित करने वाले का नाम संदीप सिंह पिता छत्रपाल सिंह सुंदरपुर लोहगरा थाना बारा प्रयागराज उत्तर प्रदेश लिखा हुआ था। वही न्यायिक मजिस्ट्रेट का जैसे ही थाने में आवेदन पत्र प्राप्त हुआ तो सोहागी थाना में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई। विवेचना के दौरान सुंदरपुर लोहगरा जाकर संदीप सिंह को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तो उसकी हस्तलिप ली गई साथ

ही पत्र को पूरे गांव में लोगों को दिखाया गया कि यह लिखावट किसकी हो सकती है। जब संदीप सिंह से अहम जानकारी यह मिली कुछ दिन पूर्व उसके गांव के ही देवराज सिंह से विवाद हुआ था उसी ने फसाने को लेकर पत्र लिखा होगा। डाकपत्र की जानकारी लेने पर पाया गया कि धमकी भरा पत्र प्रयागराज से रजिस्ट्री किया गया है। इस दौरान जानकारी मिली कि पत्र को आरएमएस डाक पर प्रयागराज से रजिस्ट्री किया गया है जहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया गया तो पाया गया कि 28 अगस्त को देवराज सिंह को आरएमएस डाकघर पर प्रयागराज से पत्र रजिस्ट्री करता हुआ देखा गया। पुलिस द्वारा देवराज सिंह को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि संदीप सिंह द्वारा उसके साथ मारपीट की गई थी जिसकी रिपोर्ट उसने बारा थाने पर दर्ज कराई थी।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नवोदय विद्यालय समिति भोपाल संभाग के उपायुक्त आर.के. वर्मा, सहायक आयुक्त लेखराज मीणा एवं संकुल प्रभारी दीक्षा ज्योति मिश्रा के दिशा-निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी के नेतृत्व में पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मां सरस्वती और ज्ञान और संस्कार के प्रतीक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तेलचित्र पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी, स्टूडेंट प्राचार्य स्कूल कैप्टन मास्टर संदीप गुप्ता माल्यार्पण अर्पित करते हुए शुभारंभ किया गया। शिक्षकों का रोल अदा करने वाले सभी छात्र-छात्राओं ने प्राचार्य, मुख्य अतिथि और स्टाफ का स्वागत प्रात: कालीन बालसभा में श्रीफल और

पुष्प गुच्छ देकर किया गया। सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर के 01.30 बजे तक की संपूर्ण कक्षाओं का शिक्षण कार्य और अन्य गतिविधियां स्टूडेंट टीचर्स के द्वारा संपादित की गई।

विशेष अतिथि के रूप में विद्यालय के पूर्व छात्र एवं प्रेरक वक्ता जगन्नाथ यात्रा दास ने शिरकत की। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्रों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु ही छात्रों के जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं और उनके मार्गदर्शन से ही सच्ची सफलता मिलती है।

सायं कालीन गतिविधियों में मास्टर संदीप गुप्ता विद्यालय कप्तान (स्टूडेंट प्राचार्य) विद्यालय के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी को गिफ्ट और शाल से सम्मानित किया। इसके बाद कार्यकारी उपप्राचार्य एस के तिवारी का स्वागत स्टूडेंट वाइस प्रिंसिपल द्वारा एवं समस्त शिक्षकों को स्टूडेंट शिक्षकों द्वारा गिफ्ट, रुमाल और कलम देकर बहुउद्देशीय कक्ष के सभागार के मंच से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं जैसे नृत्य एकल गायन सामूहिक गायन सरस्वती वंदना स्वागत गान नृत्य नाटिका आदि।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने इस अवसर पर एक श्रेष्ठ शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में कक्षा का संचालन किया, जिससे सभी को शिक्षकों की जिम्मेदारियों और उनकी महत्ता का अनुभव हुआ। स्टूडेंट टीचर के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक गतिविधियों का मूल्यांकन भी किया गया जिसमें प्रथम स्थान आकृति गुप्ता, द्वितीय स्थान कार्तिकेय अग्रहरि तृतीय स्थान स्वेता तिवारी ने प्राप्त किया।

प्राचार्य डॉ त्रिपाठी ने अपने संबोधन और आशीर्वचन में कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं और उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में गुरुजनों का सदैव सम्मान करें और उनके दिखाए मार्ग पर चलें। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संगठन विद्यालय के स्कूल कैप्टन संदीप और प्रगति द्वारा किया गया, जिनके नेतृत्व में सभी गतिविधियाँ सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुईं। अंत में अच्छे कार्यक्रम संपादन के लिए विद्यालय कैप्टन और प्राचार्य का रोल अदा करने वाले मास्टर संदीप गुप्ता द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

गणेश विसर्जन की तैयारी पूरी, बारिश से बढ़े जलस्तर के बीच कलेक्टर-एसपी ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था परखी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गणेश प्रतिमा विसर्जन को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी और एसपी डॉ. रविंद्र वर्मा ने शुक्रवार को प्रमुख विसर्जन घाटों का दौरा किया।

अधिकारियों ने थाना कमर्जी क्षेत्र के गायघाट, कोलदहा घाट और भंवरसेन घाट पर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर सामान्य से ज्यादा है।

इसे देखते हुए घाटों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। एसडीईआरएफ की टीम को आपात स्थिति के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, एसडीएम शैलेन्द्र द्विवेदी, एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे केवल चिह्नित और सुरक्षित घाटों पर ही प्रतिमा विसर्जन करें।

विसर्जन के दौरान प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें और अनावश्यक भीड़ न लगाएं। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत निकटतम पुलिस अधिकारी या कंट्रोल रूम को सूचित करें।

अन्नदाता त्रस्त, भाजपा सरकार और प्रशासन मस्त: पी यश मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार लोकतंत्र का हनन करके पिछले कई दशकों से प्रदेश की बागड़ोर संभाल रही है लेकिन फिर भी जनता के बीच पूरे प्रदेश में चारों तरफ त्राहिमाम-त्राहिमाम मचा हुआ है। मध्यप्रदेश मीडिया प्रभारी युवक कांग्रेस नेता पी यश मिश्रा ने कहा है कि मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार के राज में किसान सबसे ज़्यादा परेशान हैं। हर ज़िले में किसान बदहाल हैं। खेत में मेहनत करने वाले को न तो उचित दाम मिल रहा है और न ही समय पर खाद और बीज।

हर ज़िले में खाद की कमी साफ़ तौर पर इस सरकार की नाकामी को उजागर करती है कांग्रेस नेता ने कहा कि किसी तरह फसल उगाई किसान तो आवारा पशु द्वारा खेती नष्ट कर दी जाती है। लेकिन भाजपा सरकार किसानों के हित को लेकर संवेदनशील है। मऊगंज जिले में कई गौशाला बनी है लेकिन शोपीस। भाजपा सरकार के विधायक, सांसद, मंत्री मुख्यमंत्री आवारा पशुओ पर कोई बात नही करते। हमारा अन्यदाता खून पसीने की गाढ़ी कमाई कर अपने परिवार एवं देश को अन्न देता है रात रात भर जग के फसलो की देखरेख करता है। चाहे बारिश हो या धूप हो, काली रात में जान जोखि़म के डालकर आवारा पशुओं के लिए किसान अपने खेत की रखवाली करता है।

त्योंथर पश्चिमी में खुलेआम दारू एवं गांजा की अवैध बिक्री रोकने एसडीएम को दिया गया आवेदन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के त्योंथर तहसील में लम्बे अर्से से त्योंथर के पश्चिमी क्षेत्र के लगभग हर गाँव में अवैध दारू गांजा एवं कोरेक्स आदि की बिक्री की जा रही हैं जिससे क्षेत्र में नशा खोरी की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। साथ ही आये दिन महिलाओ के साथ नशे के धुत में घृणित अपराध करते है। कंपोजिट शराब संचालक के द्वारा लगातार रात्रिदिन पैकारी कराने से युवाओ एवं बच्चो में नशा खोरी की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती जा रही है। जो समाज के लिये घातक है।

जिसके लिए सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर मिश्रा ने एसडीएम त्योंथर को आवेदन देकर गाँव गाँव में हो रही अवैध शराब की पैकारी, गांजा एवं कोरेक्स बंद करवाने का आवेदन दिया गया।

बता दे कि त्योंथर तहसील अंतर्गत कंपोजिट शराब संचालक नाथूराम जैसवाल के द्वारा कई पैकारो से पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में अवैध शराब की पैकारी करायी जा रही है। लेकिन आबकारी इंस्पेक्टर और सम्बंधित थाना प्रभारियों के द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है। जिससे साबित होता है पैकारी, गांजा और कोरेक्स के तस्करों को समर्थन दिया जा रहा है।

विधायक की मेहनत रंग लाई, समितियों में पहुंची खाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज की मेहनत रंग लाई, उनकी सीएम से चर्चा के बाद त्योंथर व जिले की विभिन्न समितियों में खाद पहुंच चुकी है। विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने गत दिनों प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव से मिलकर जिले में व्याप्त खाद संकट की वजह से किसानों को हो रही समस्याओं के अवगत कराया था।जिसके बाद मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया था की जल्द ही समस्या का समाधान कर लिया जायेगा, सीएम की

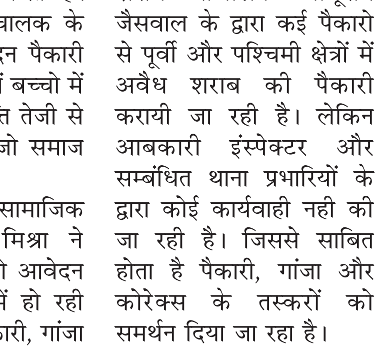

परेशानी को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्यवाही कर की परिणामस्वरुप त्योंथर व जिले की विभिन्न समितियों में खाद पहुंच गई, जिससे किसान काफ़ी खुश हैं।

दोहरे तोहफों की दीपावली

संपादकीय

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश के साथ जो वायदा किया था, वह साकार होने की प्रक्रिया में है। वाकई इस बार दीपावली और अन्य त्योहारों पर 'दोहरा तोहफा' मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। अब 22 सितंबर के बाद से आम आदमी, महिलाएं, पुरुष, युवा और औसत घर लाभान्वित होंगे। इस तारीख से 'शारदीय नवरात्र' भी आरंभ हो रहे हैं। सभी का मासिक खर्च कम होगा, तो बचत बढ़ेगी। वह बचत बाजार और औसत खपत में खर्च होगी। इससे एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएं), खुदरा और ऑटोमोबाइल आदि कई क्षेत्रों में घटे दामों पर उपभोक्ता-मांग में बढ़ोतरी होगी। विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्रों में वृद्धि होगी। मांग और खरीद बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था ही फलेगी-फूलेगी। रोटी, कपड़ा और घर के रोजमर्रा के सामान पर कर (जीएसटी) 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान पर कर 28 फीसदी से घट कर 18 फीसदी हो जाएगा, तो यकीनन आम आदमी राहत महसूस करेगा। महंगाई पहले से ही नियंत्रण में है। यदि प्रधानमंत्री रोजगार के मोर्चे पर भी स्पष्ट योजनाओं की घोषणा कर दें, तो यह देश और भी संपन्न होगा। यदि देश संपन्न होगा और खर्च का माद्दा बढ़ेगा, तो अर्थव्यवस्था भी व्यापक होगी और भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। वैसे जर्मनी और भारत की अर्थव्यवस्था के बीच बहुत कम फासला शेष है, लिहाजा हमारा तीसरी 'आर्थिक महाशक्ति' बनना तय है। जीएसटी 2.0 सुधारों के तौर पर आठ लंबे सालों के बाद 'ऐतिहासिक बदलाव' है। उसकी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है, नतीजतन करोड़ों व्यापारी और खुदरा-व्यवसायी लाभान्वित होंगे। अब कारोबारियों को टैक्स से जुड़े नियमों और कानूनों पर कम खर्च करना पड़ेगा। वे ग्राहक और नवाचार पर अधिक फोकस कर सकेंगे। बताया जा रहा है कि देश में कर घटाने से 2 लाख करोड़ रुपए तक की खपत बढ़ सकती है। इसका फायदा छोटे उद्यमों को ज्यादा होगा। आम आदमी और ग्राहकों को मिलने वाले उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। हालांकि कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसी विपक्ष-शासित राज्यों की सरकारों ने करीब 48,000 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान का मुद्दा उठाया है, लिहाजा केंद्र सरकार से मांग की है कि 5 साल तक मुआवजा दिया जाए और वित्तीय सुरक्षा की गारंटी दी जाए। इसमें राजनीति भी हो सकती है। बहरहाल इस मुद्दे पर पर्याप्त विमर्श हुआ होगा ! सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कैंसर समेत 33 जीवन-रक्षक दवाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। अन्य सभी दवाओं पर अब जीएसटी 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी हो जाएगा। शिक्षण सामग्रियों में नक्शे, चार्ट, ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, पेस्टल, कॉपी, नोटबुक और इरेजर आदि 12 फीसदी और 5 फीसदी से घटा कर 'शून्य जीएसटी' वाले वर्ग में डाल दिए गए हैं। इनके अलावा, हेयर ऑयल, शैंपू, टॉयलेट सोप बार, टूथ ब्रश, शेविंग क्रीम, जिम, सैलून, योग केंद्र आदि पर जीएसटी 18 फीसदी से 5 फीसदी कर दिया गया है। बटर, घी, चीज और डेयरी स्प्रेड्स, प्री-पैक नमकीन, भुजिया, मिक्सचर, बर्तन, बच्चों के नैपकिन, क्लिनिकल डायपर, सिलाई मशीन और उसके पुर्जे, हैंडीक्राफ्ट आदि पर जीएसटी 12 फीसदी से 5 फीसदी किया गया है।

अबे ओ कालिया, कितने संग्रह आए हैं रे तेरे

मृदुला श्रीवास्तव

हर गली, मोहल्ले, शहर, प्रांत में साहित्य के मठाधीश होने जरूरी हैं, नहीं तो नए लेखकों को उनकी औकात का लेवल भला कौन बताएगा? 'अबे ओ कालिया ! कितने संग्रह आए हैं तेरे?' 'जी साब दो।' 'बस दो?' 'और मेरे इक्कीस।' 'नहीं साब, मैं तो बहुत मेहनत से लिखता हूं।' 'अरे यार ! तू भी बस, मुझे देख, घिसो और फेंको, घिसो और फेंको।ज्ओह, मेरा मतलब है, लिखो और भेजो, लिखो और भेजो। तुझे क्या लगता है, ये संपादक लोग बहुत ध्यान से पढ़ते हैं।' 'पर सर जी, आपको कैसे पता कि वो ध्यान से नहीं?' 'चल दिखाता हूं मेरे घर चल। ये देख, वो मेरी बीवी कितने बड़े लेखक की रचना भिंडी काटते-काटते एडिट कर रही है और मेरा बेटा, वो भी अपना होमवर्क करते हुए एक कविता के पेज के पीछे अपनी मोटी मां की फोटू बना रहा है।' ज' और आपकी बेटी सर जी, वो तो अच्छी लेखिका भी है?' 'चल, उसे भी दिखाता हूं?' 'हां सर, ओके सर, आ जाएगी-आ जाएगी आपकी कहानी, पर साउथ सिल्क की वो दो साड़ी, जो आपने मुझे देने कोज। आपकी रचना अगले अंक में पक्की।' 'देखा, अब चल तुझे अपना कमरा दिखाता हूं।' 'पर सर जी, आपका तो सब अच्छा ही अच्छा होगा न? चूंकि सर जी, आप तो दो पत्रिकाएं भी निकालते हैं, एक महीने में तीन बड़े-बड़े साहित्यिक कार्यक्रमों और ट्रिप का आयोजन, चार-पांच जगह भाषण, वाहत्सप्प पर रोज अब तक 670 कविताएं, अब तक प्रकाशित 21 कहानी संग्रह। स्कूल में टीचरी और हफ्ते में तीन लेख, कहानियां पत्र-पत्रिकाओं में। कहानी तो, ये बड़ी-बड़ीज।' 'ओए लौंडे, अपनी औकात में रह ! क्या 'ये बड़ी-बड़ी' लगा रखा है? इतनी सारी रचनाएं लिखने की मशीनें क्या तेरे बापू ने मुझे खरीद कर दी हैं?' बड़ी-बड़ी रचनाएं मेरी नहीं तो क्या, रोज तेरी छपेंगी?' 'मशीनें?' 'हां, मशीनेंज्जब मेरी बीवी के पास रसोई में आटा मांडने, सब्जी काटने की मशीन है, डिशवाशर है तो लेखक क्यों नहीं अपना काम मशीनों से कर सकते?' 'वो कैसे?' 'चल, तुझे दिखाता हूंज्देख, इस मशीन को। इसमें थोड़ा सा बस मैटर।' 'मटर?' 'मटर नहीं मेरे बाप, मैटर। मैटर?' 'समझ गया मैटर। हां फिर।'

'और थोड़ा सा भाव, थोड़ी सी संवेदना और कुछ बढिया से शब्द डालो, बस ये देख मशीन घूमी-घूमी-घूमी और इतनी घूमी कि बस एक कूड़ामय शानदार रचना बाहर आने को विकल हो उठी।ज्इसे देख, ये एडिटिंग, प्रूफरीडिंग, प्रिंटिंग की मशीन।' 'पर सर जी, इससे आपको आपकी रचना से संतुष्टि, लेखन की खुशी कैसे आएगी? मेरा मतलब परफेक्शन।' 'परफेक्शन? वो किस चिड़िया का नाम है रे? आजकल की रचनाओं, किताबों में तुझे परफेक्शन दिखता है क्याज? देख, ठीक से समझ। तेरी-मेरी लड़ाई तो वहीं से शुरू होगी न, जब तू तो अपनी रचना को कई महीने लगा कर लिखेगा और खुद संतुष्ट होकर अपनी रचना भेजेगा और मैं अपनी रचना इस मशीन से निकाल कर भेजूंगा, एक दिन में तीन। अबे सुन नवलौंडे लेखक ! बहुत हो गया परफेक्शन का राग, और सुन ! ये ले अपनी औकात के पते की पर्ची और निकल ले पतली गली से। तेरे जैसे ईमानदार, एथिक्स वाले लेखकों को आगे बढने के लिए हमारे जैसे ठेकेदार लेखकों का इस दुनिया से जाना बहुत जरूरी है मेरे यार !ज्इसलिए चल जा अब और जो कुछ भी लिखा है न तूने, उसे खुद ही पढियो।' कहते हुए मठाधीश लेखक मशीन में अपने घर का कूड़ा डालने लगा। देखते ही देखते तीन कहानी संग्रह छप-छप कर नीचे रखी बास्केट में गिर चुके थे। वह अभी तक छपी मात्र उन दो अपनी किताबों को बगल में दबाए, कसमसाता, उस तथाकथित लेखक-सहप्रकाशक के घर से निकल लिया था।

विभाजन की सिसकियां खारिज करने का कारण

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत विभाजन को लेकर दो प्रकार की पुस्तकें लिखी गई हैं। पहली श्रेणी में साहित्य की पुस्तकें हैं। उपन्यास, कहानियां, कविता या अन्य विधाओं में लिखी किताबें। इनमें यकीनन विभाजन के कारणों को लेकर साहित्यकार की अपनी दृष्टि ही प्रमुख रही है। इस प्रकार के साहित्यकारों में हिंदी भाषा में तीन उपन्यासकारों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। यशपाल, भीष्म साहनी और वैद्य गुरुदत्त। यशपाल का झूठा सच, भीष्म साहनी का तमस और वैद्य गुरुदत्त का 'देश की हत्या' नामक उपन्यास हिंदी साहित्य की निधि हैं। पंजाबी में अमृता प्रीतम ने अपनी एक ही रचना 'अज आंखों वारिस शाह नूं' लिख कर विभाजन की टीस को रेखांकित कर दिया। विभाजन विभीषिका को लेकर दूसरी प्रकार की किताबें समाज विज्ञान की श्रेणी में रखी जा सकती हैं। उन किताबों में विभाजन के कारण की मीमांसा प्रमुख है, विभीषिका कम है। समाज विज्ञान के पंडित शायद विभीषिका को रेखांकित करने से जानबूझ कर बचते रहे हैं। उस समय की सरकार की यह नीति का हिस्सा भी हो सकता है। सरकार दरअसल विभीषिका की चर्चा करने से बचती थी। यदि विभीषिका की चर्चा होती तो यकीनन समाज विज्ञान के पंडितों को उसकी जिम्मेदारी भी तय करनी पड़ती। यह जिम्मेदारी कम से कम तीन पक्षों के खाते में तो सीधे-सीधे आती थी। मुस्लिम लीग। मुस्लिम लीग को यह जिम्मेदारी लेने में दिक्कत भी नहीं थी। पाकिस्तान में उसको इसका परोक्ष रूप से लाभ ही होता। आखिर कितनी पार्टियां हैं, जो विश्व की प्राचीनतम सभ्यता के एक भौगोलिक क्षेत्र को विभाजित कर एक नया देश बना सकती हैं? मुस्लिम लीग को यदि यह श्रेय मिलता है तो यह तो उसके लिए मैडल ही माना जाएगा।

दूसरे स्थान पर विभाजन विभीषिका की जिम्मेदारी ब्रिटिश सरकार के खाते में पड़ती है। लेकिन ब्रिटिश सरकार इस पर गौरव कर सकती है। दो सौ साल राज करने के बाद भी अपने साम्राज्यवादी हितों के लिए भारत को विभाजित करने में सफलता प्राप्त की। मजहब यूरोपीय देशों में राज्य या देश की नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन भारत में मजहब सदा व्यक्तिगत विषय होता था। उससे राज्य का कुछ लेना-देना नहीं था। ब्रिटिश नीतिकारों ने मजहब को पहचान का प्राथमिक आधार बना कर देश में लंबवत दरारें पैदा कर दीं और देश को ही विभाजित कर दिया। इस पर ब्रिटेन गर्व कर सकता था। विभाजन में तीसरी हिस्सेदारी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की है जिसने पंद्रह अगस्त 1947 से पहले विभाजन के पक्ष में बाकायदा प्रस्ताव पारित कर मुस्लिम लीग और ब्रिटिश सरकार की नीति का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि उसमें सहायता भी की। लेकिन कांग्रेस की जिम्मेदारी केवल भारत विभाजन का प्रस्ताव पास करने से ही समाप्त हो जाती। इस प्रस्ताव के पास हो जाने से दो रास्ते खुले थे। पहला रास्ता था भारत के, खासकर बंगाल और सप्त सिंधु/पंजाब के विभाजित होने का और दूसरा रास्ता था बचे हुए भारत की सत्ता पर कांग्रेस के अधिकार का। विभाजन केवल दो हिस्सों का हुआ था। बंगाल का और सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र का। पूरे देश का विभाजन नहीं हुआ था। विभाजन के बाद इन दो क्षेत्रों में क्या परिणाम निकलेंगे, क्या इसका अंदाजा कांग्रेस को नहीं था? क्या कांग्रेस यह मान रही थी कि नक्शे पर नई रेखा खिंच जाएगी, एक देश के दो देश बन जाएंगे, लेकिन लोग अपने-अपने स्थानों पर ही बैठे रहेंगे? यदि विभाजन के परिणाम का अंदाजा कांग्रेस को नहीं था तो जाहिर है कि कांग्रेस कम से कम राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलवाने की हकदार नहीं थी। वह केवल कुछ अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त लोगों का क्लब मात्र था, जो भारत के लोगों की जमीनी सच्चाइयों से कटा हुआ था। लेकिन यहां एक दूसरा प्रश्न भी खड़ा होता है। विभाजन से पूर्व ही विभाजन उपरांत होने वाली विभीषिका के संकेत मिलने भी शुरू हो गए थे। बंगाल में मुस्लिम लीग द्वारा किया गया डायरेक्ट एक्शन इसका संकेत था। इस एक्शन में हजारों हिंदू मारे गए थे। नोआखली के दंगे भी इसका ही संकेत था।

इन दंगों के तो महात्मा गांधी प्रत्यक्षदर्शी थे। 15 अगस्त 1947 से पहले पंजाब में मुस्लिम लीग की सरकार नहीं थी, क्योंकि चुनावों में फंसे बहुमत नहीं मिला था। पंजाब में सरकार कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और अकाली दल की थी। इस सरकार को गिराने के लिए लाहौर समेत पूरे पंजाब में जो तांडव हिंदू-सिख के खिलाफ मुस्लिम लीग ने बाकायदा घोषणा करके किया था, उसे तो कांग्रेस देख ही नहीं रही थी, बल्कि उसकी भुक्तभोगी थी। उसके बावजूद विभाजन के बाद की त्रासदी को टालने के लिए उसने विभाजन से पहले ही शांतिपूर्ण तरीके से जनसंख्या की अदला-बदली की व्यवस्था क्यों नहीं की? शायद अंबेडकर ने इसीलिए इस कांग्रेस के बारे में सही कहा था कि कांग्रेस देश के लिए नहीं लड़ रही थी बल्कि ब्रिटिश सरकार से सत्ता के लिए सौदेबाजी कर रही है। इस सौदेबाजी की जल्दी में उसने विभाजन के बाद की विभीषिका की चिंता नहीं की। विभाजन से पूर्व जनसंख्या की अदला बदली का सुझाव अंबेडकर और भाई परमानंद ने दिया भी था। लेकिन इससे नेहरु की सेक्युलरिजम की अवधारणा खंडित होती थी। कांग्रेस की इस सौदेबाजी में दस लाख लोगों ने बंगाल और सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र में अपनी जान गंवाई।

कितने विस्थापित हुए, इसकी चर्चा सरकार नहीं करती थी। इससे भी बड़ी बात थी कि इतनी बड़ी त्रासदी का पूरे देश के लोगों को पता भी नहीं था। दक्षिण भारत के लोग इसे नहीं जानते थे। पश्चिम और पूर्वी भारत में भी असम को छोडक़र बाकी स्थानों पर इस त्रासदी के बारे में छिटपुट खबरों के अलावा सन्नाटा था। इसलिए कांग्रेस सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता इस त्रासदी को किसी भी तरीके से ढकने की हो गई। यदि यह त्रासदी आधुनिक भारतीय इतिहास में दर्ज हो जाती, तो समाज विज्ञान के विद्वान इसकी चीरफाड़ और विश्लेषण करते। जाहिर है इस विश्लेषण से सहज ही कांग्रेस और मुस्लिम लीग पकड़ में आ जाते। लेकिन 1947 में भारत में बची मुस्लिम लीग अपनी आगामी योजना के तहत मोटे रूप में कांग्रेस में ही शामिल हो गई थी। सरदार पटेल ने इसके संकेत भी दिए और किसी स्तर पर इसका विरोध भी किया। परंतु जवाहर लाल नेहरु मुस्लिम लीग के कांग्रेस में समा जाने को ही सेक्युलरिजम का सर्वोत्तम उदाहरण मान रहे थे। अब यदि विभाजन के बाद बंगाल व पंजाब में हुई विभीषिका पाठ्यक्रमों का हिस्सा बनती तो कांग्रेस कटघरे में दिखाई देती। भारत सरकार सात दशकों बाद जागी है। अब नए सिरे से विभाजन विभीषिका पर चर्चा होने लगी है। इस संबंध में विभाजित क्षेत्रों से पलायन कर आए लोगों से साक्षात्कार किए जा रहे हैं। उनसे उस समय की हालत के बारे में जानकारियां हासिल की जा रही हैं। इतिहास के विद्यार्थियों के लिए ये प्राथमिक स्रोत हैं। लेकिन उस समय के भुक्तभोगी अब बहुत कम बचे हैं। फिर भी इतिहास को जितना संभाला जा सके, वही पूंजी है। यह भी तथ्य है कि महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कांग्रेस को भंग कर देने का सुझाव दिया था।

शिक्षकों की साख संभाली जाए, समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की स्वीकार्यता अध्यापकों के अनुकरणीय आचरण से ही आएगी

अध्यापकों का सम्मान उनके अपने प्रयासों का योगदान भी मांगता है। क्या वे एक अनुकरणीय कार्यसंस्कृति का उदाहरण पेश कर रहे हैं? दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान के पुनर्निर्माण में वहां के शिक्षकों की बड़ी भूमिका थी। समय-प्रतिबद्धता कार्यसंस्कृति आत्मसम्मान उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता और व्यवस्था द्वारा हर पग पर उनको यह आभास दिलाया गया कि वे ही राष्ट्र निर्माता हैं वे भविष्य के कर्णधार तैयार कर रहे हैं।

जगमोहन सिंह राजपूत।

आज देश शिक्षक दिवस मना रहा है। प्राचीन भारतीय परंपरा में गुरु समाज में ही नहीं, सत्ता द्वारा भी सम्मानित किया जाता था। गुरुकुल के अधिष्ठाता से मिलने जब राजा-महाराजा भी जाते थे, तो वे परिसर के बाहर ही अपना सारा ताम-झाम और सुरक्षा छोड़ देते थे, अंदर जाकर आचार्य की चरणधूलि लेकर अपने को धन्य समझते थे, लेकिन आज स्थिति अलग है?

एक बार मैं हवाई जहाज में यात्रा कर रहा था, तो मेरे बगल में एक बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री बैठे थे। कुछ देर बाद उन्होंने मुझसे कहा कि प्रोफेसर साहब, कोई ऐसा उपाय बताइए, जिसमें शैक्षिक सुधार लोगों को दिखाई देने लगे, मगर अधिक धन लगाने की आवश्यकता न पड़े। बिना किसी देरी के मैंने कहा कि ऐसा उपाय है। अगर आप इसे लागू कर सकें तो छात्रों का नामांकन बढ़ जाएगा, अध्यापकों की स्कूल उपस्थिति में भारी सुधार होगा, कर्मठता बढ़ेगी और सरकारी स्कूलों की साख भी लौटने लगेगी।

आपको केवल एक आदेश जारी करना होगा कि कोई भी अध्यापक-प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय तक जब किसी अधिकारी से मिलने जाए, तो वह कुर्सी से उठकर उसका स्वागत करे, कुर्सी पर बैठाए, उसके बाद अपना आसन ग्रहण करे। उसके अनुरोध को प्राथमिकता से सुने और निपटाए, अधिकारी उसे दरवाजे तक छोड़ने जाए और उसके मातहत कर्मचारी इसे देखें। मुख्यमंत्री बोले कि यह लगता तो सरल है, किंतु इसके त्वरित प्रभाव व्यवस्था यानी नौकरशाही पर ठीक नहीं पड़ेंगे। उन्होंने इसे प्रभावशाली कदम बताया, मगर लागू करने का साहस नहीं किया।

यह सही है कि सरकारी स्कूल बड़ी संख्या में अध्यापकों की अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए जाने जाते हैं। ऐसे अत्यंत निंदनीय चलन के लिए अध्यापक, वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक व्यवस्था ही जिम्मेदार हैं। यह 'चलन' केवल अध्यापकों तक ही फैली नहीं है, ग्रामीण क्षेत्र में पदस्थापित अनेक सरकारी अधिकारी अपने वरिष्ठ अधिकारी से 'मोलभाव' कर लेते हैं। हफ्ते में एक-दो दिन अपने कार्यस्थल पर जाकर सारे सप्ताह की उपस्थिति दर्ज कर लेते हैं। इस सबका समाधान क्या है? इसे ढूंढ़ने के पहले यह जानना होगा कि ऐसी अवस्था पनपी कैसे?

यह अनैतिक स्थिति मुख्य रूप से शिक्षकों के प्रति समाज की बेरुखी और व्यवस्था के अपमानजनक व्यवहार से ही उपजी है। समाज की शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की साख में भारी गिरावट की स्थिति के प्रति उदासीनता ने इसे अत्यंत अशोभनीय स्तर तक गिरा दिया है। 2012 में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जेएस वर्मा ने कहा था कि देश के दस हजार शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान 'डिग्री बेच रहे हैं।' उनकी गुणवत्ता में कोई रुचि है ही नहीं। आठ साल बाद इस कथन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में पुनः दोहराया गया। यह कितनी शर्मनाक स्थिति है। इसके लिए जिम्मेदार एक अन्य पक्ष को भी ठीक से समझने की आवश्यकता है। राजस्थान के दूरदराज के क्षेत्रों में 1955-60 के दौरान यदि किसी स्कूल का दरवाजा टूट जाता था, तो ग्रामीण उसे अपना स्कूल मानते हुए नया लगा देते थे। अब इतना सरकारीकरण हो चुका है कि जब ज्यादा ठंड पड़ती है, तो लोग कहते हैं कि स्कूल की खिड़की उखाड़कर जलाएं, सरकार खुद लगाएगी। दरअसल समाज का स्कूल से जो परंपरागत संबंध था, अध्यापकका जो सम्मान था, उसके तिरोहित होने में सरकारी अधिकारियों की असंवेदनशीलता और अहंकार मुख्य रूप से जिम्मेदार रहे हैं।

देश के 56 प्रतिशत बच्चे आज भी सरकारी स्कूलों में ही पढ़ते हैं। केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, पीएमश्री विद्यालय जैसे केंद्र संचालित स्कूलों की साख पूरे देश में है, लेकिन सरकारी स्कूलों में सबसे बड़ा प्रतिशत उन बच्चों का है, जिनके पालकों ने उन्हें यहां प्रवेश केवल इसलिए दिलाया है, क्योंकि वे किसी निजी स्कूल में प्रवेश नहीं दिला सके। सरकारी स्कूलों की साख के लगातार गिरने का एक कारण यह है कि व्यवस्था में ऊपर से नीचे तक जिन-जिन पर इसका उत्तरदायित्व है, उनके अपने बच्चे भी निजी स्कूलों में ही पढ़ते हैं।

अध्यापकों का सम्मान उनके अपने प्रयासों का योगदान भी मांगता है। क्या वे एक अनुकरणीय कार्यसंस्कृति का उदाहरण पेश कर रहे हैं? दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान के पुनर्निर्माण में वहां के शिक्षकों की बड़ी भूमिका थी। समय-प्रतिबद्धता, कार्यसंस्कृति, आत्मसम्मान, उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता और व्यवस्था द्वारा हर पग पर उनको यह आभास दिलाया गया कि वे ही राष्ट्र निर्माता हैं, वे भविष्य के कर्णधार तैयार कर रहे हैं।

उनसे व्यक्ति और व्यक्तित्व निर्माण के जो तत्व बच्चे सीख कर जाएंगे, वे बड़ी-बड़ी शोधशालाओं, अस्पतालों, प्रशासनिक कार्यालयों में भी कुछ वर्ष बाद दिखाई देंगे। आज जापान में कोई भी अपने कार्यस्थल पर देर से नहीं पहुंचता है। भारत के अध्यापक यदि चाहें तो कुछ वर्षों के अंतराल में यहां भी यह स्थिति आ सकती है। राष्ट्र निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व निर्वाह अध्यापकों को ही करना है। समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की स्वीकार्यता भी अध्यापकों के अनुकरणीय आचरण से ही आएगी।

साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एसबीआई की अनूठी पहल - रवाना हुई जागरूकता वैन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। डिजिटल माध्यम से हो रही धोखाधड़ी और अनाधिकृत लेन-देन की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक ने 'हर भारतीय का बैंकर' होने के नाते राज्यव्यापी साइबर सुरक्षा जागरुकता अभियान की शुरुआत की है। स्टेट बैंक द्वारा आज रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से एसबीआई साइबर सुरक्षा जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस वैन के माध्यम से पूरे रायगढ़ जिले में साइबर सुरक्षा के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी। अग्रणी बैंक प्रबंधक ने जानकारी दी की जागरूकता संदेशों को प्रदर्शित करने के लिए इस वैन में बड़े ऑडियो और विजुअल स्क्रीन हैं और साइबर धोखाधड़ी के उभरते तरीकों के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए नाचा दल व नुक्कड़ नाटक शो भी आयोजित किए जाएंगे। दल लोगों को साइबर ठगी के तरीकों और इससे बचने के उपायों के बारे में जानकारी देगा। जागरूकता वैन इन्हीं क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करेगी। वैन टीम दर्शकों को गोपनीय बैंकिंग विवरण, पासवर्ड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने के लिए भी शिक्षित करेगी।

दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 7.58 करोड़ रुपये से अधिक राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा रायपुर जिले की दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 7 करोड़ 58 लाख 64 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। स्वीकृत कार्यों में आरंग विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम चकवे के बंजारी नाला में स्टाप डेम निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ 36 लाख 39 हजार रुपये स्वीकृत किये हैं। इसी तरह से विकासखण्ड धरसींवा के अंतर्गत भिम्भौरी जलाशय के नहर लाईनिंग एवं जीर्णोधार कार्य के लिए 4 करोड़ 22 लाख 25 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजनाओं के कार्यों को पूर्ण कराकर मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

बालक आश्रम मानकापाल में लापरवाही का मामला, प्रभारी अधीक्षक निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। सुकमा जिले के बालक आश्रम मानकापाल में छात्रों को भोजन में केवल नमक परोसे जाने की शिकायत पर जिला प्रशासन ने कड़ा संज्ञान लिया है। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर सहायक आयुक्त श्री हेमंत सिन्हा एवं मंडल संयोजक ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर प्रभारी अधीक्षक श्री जय प्रकाश बघेल को सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन तथा पदीय कर्तव्यों में घोर लापरवाही बरतने का दोषी मानते हुए तत्काल निलंबित कर विभागीय जांच संस्थित की गई है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, सुकमा रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने स्पष्ट किया है कि आश्रमों एवं छात्रावासों में बच्चों के भोजन, स्वास्थ्य और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि छात्रावासों और आश्रमों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की सतत निगरानी सुनिश्चित करें।

प्रदेश में अब तक 940.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 940.7 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1323.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 457.1 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 809.2 मि.मी., बलौदाबाजार में 695.5 मि.मी., गरियाबंद में 781.3 मि.मी., महासमुंद में 688.3 मि.मी. और धमतरी में 836.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 971.8 मि.मी., मुंगेली में 954.3 मि.मी., रायगढ़ में 1146.4 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 791.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1125.7 मि.मी., सक्ती में 1015.0 मि.मी., कोरबा में 958.5 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 897.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 742.6 मि.मी., कबीरधाम में 660.9 मि.मी., राजनांदगांव में 830.3 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1161.6 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 688.2 मि.मी. और बालोद में 1011.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 673.0 मि.मी., सूरजपुर में 995.7 मि.मी., जशपुर में 913.0 मि.मी., कोरिया में 1013.5 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 924.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1312.8 मि.मी., कोंडागांव जिले में 867.7 मि.मी., कांकेर में 1068.3 मि.मी., नारायणपुर में 1142.6 मि.मी., दंतेवाड़ा में 1280.1 मि.मी., सुकमा में 1020.7 मि.मी. और बीजापुर में 1282.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

विसंगतियां दूर करने संपत्ति कर सुधार अति आवश्यक : अरुण साव

संपी करों के युक्तियुक्तकरण के लिए उप मुयमंत्री ने सभी नगरीय निकायों की ली बैठक

- वार्षिक भाड़ा मूल्य को संपति के वर्तमान मूल्यों के अनुरूप अपडेट करने के दिए निर्देश
- महापौर, आयुक्त, नगर पालिका और नगर पंचायत अध्यक्ष तथा सीएमओ वर्चुअल बैठक में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज नगरीय निकायों में संपत्ति करों के युक्तियुक्तकरण के लिए बैठक ली। मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित वर्चुअल बैठक में राज्य के सभी नगर निगमों के महापौर व आयुक्त तथा नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री आर. एक्का भी मंत्रालय से बैठक में ऑनलाइन जुड़े।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि नगरीय निकायों के कार्यों से प्रदेश की छवि निर्मित होती है। शहर में नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना संबंधित नगरीय निकाय की जिम्मेदारी है। उन्होंने महापौरों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के अध्यक्षों से कहा कि शहर को आगे ले जाने का जिम्मा आप पर है। शहर में संपत्ति करों के मूल्यांकन और उनमें सुधार की शुरुआत अपने कार्यालयों और अपने घरों से करें। उन्होंने कहा कि वार्षिक भाड़ा मूल्य (ॠ) को वर्तमान संपत्ति मूल्यों के अनुरूप अपडेट करने से राजस्व में अच्छी बढ़ोतरी होगी। इससे कर भार सभी संपत्ति मालिकों पर समानुपातिक रूप से वितरित होगा। उन्होंने कहा कि अधिक राजस्व से निकाय वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनेंगे और उन्हें अनुदानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बढ़े हुए राजस्व से नागरिकों को तेजी से बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों से कहा कि राज्य शासन की मंशा ई-गवर्नेंस मॉडल के माध्यम से नागरिकों को पारदर्शी और सुगम सेवाएं प्रदान करने की है। यह शहरों के चहुंमुखी विकास और त्वरित नागरिक सेवाओं के लिए जरूरी है। इससे साफ-सफाई, पानी और बिजली आपूर्ति की व्यवस्थाएं और बेहतर होंगी। श्री साव ने बताया कि वर्ष 2016 के बाद से संपत्ति कर प्रणाली में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके चलते कई नगरीय निकायों में विसंगतियां उत्पन्न हो गई हैं। उन्होंने सभी महापौरों और अध्यक्षों से संपत्ति करों में सुधार के कार्यों को पूरी शिद्दत और गंभीरता से करने का आग्रह किया।

श्री साव ने बैठक में नगरीय निकायों को अटल परिसरों और नालंदा परिसरों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों को अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को रोज प्रातः भ्रमण कर निर्माण और साफ-सफाई के कार्यों का निरीक्षण करने को भी कहा। उन्होंने निविदा प्रक्रिया में त्रुटि या लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। नगरीय प्रशासन विभाग की उप सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्ुडा) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय और नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक श्री पुलक भट्टाचार्य भी बैठक में मौजूद थे।

वनमंडल मनेंद्रगढ़ खाली बंजर पड़े गौठानों में शुरू हुआ महुआ बचाओ अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ वन मंडल केडीएफओ मनीष कश्यप के द्वारा विशेष पहल की गई है। खाली पड़े गौटानों में महुआ बचाओ अभियान के तहत महुआ पेड़ लगाकर उसको हरा भरा किया जा रहा है। गौठानो का मरम्मत कर उसे पुनः उपयोग में लाया जा रहा है। जिससे आने वाले समय में ग्रामीणों को महुआ से आए की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

अब तक मनेंद्रगढ़ वन मंडल में 98गौठानो मे लगभग 60 हजार महुआ के पौधे लगाए जा चुके हैं। जिसके लिए हर ग्राम पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया गया और प्रत्येक गौठान में स्थानीय जनप्रतिनिधि ने पौधे लगा के इस अभियान की शुरुआत की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल में गोबर और गौठान, पर विशेष निगरानी रखी थी। इसके अलावा आज सभी गौठान खली और बंजारा पड़े हैं। पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 8 हजार गौठान बनाए गए हैं। जिसमें लगभग औसत हर गौठान में 50 लाख तक खर्च किया गया है। गौ सेवा की मूलभूत जरूर को पूरा ना करके केवल गौठान बनाकर रख दिया गया। ग्रामीण अंचलों में इसका पिछली सरकार को खामयाजा भी भूगतना पड़ा। गौठानों में अब अतिक्रमण हो रहा है, और असामाजिक तत्वों का अड्डा बनते जा रहा है।

महुआ के पेड़ों की घटती संख्या चिंता का विषय था लेकिन मनीष कश्यप के द्वारा पुनः महुआ पेड़ लगवा कर पुनरुपादीत करवाया गया। ग्रामीणों के द्वारा महुआ संग्रह से पहले जमीन साफ करने हेतु आग लगाई जाती है। उसी के कारण एक भी महुआ के पौधे जिंदा नहीं रह पाते हैं। वही ग्रामीणों के द्वारा महुआ के बीज को भी संग्रह कर लिया जाता है। यह भी एक कारण है जो महुआ के पौधे अल्पसंख्य में मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में अब महुआ के पेड़ बुढ़ापा की ओर रुख कर रहे हैं।

यूरिया की कालाबाजारी पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, खाद गोदाम सील

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। कृषि विभाग ने यूरिया खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी पर कड़ी कार्रवाई करते हुए खाद गोदाम को सील कर दिया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कांकेर के भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के भानबेड़ा क्षेत्र के किसानों से मेसर्स पटेल कृषि केंद्र भानबेड़ा के संचालक द्वारा यूरिया की किल्लत का नाजायज फायदा उठाते हुए महंगे दाम पर तथा बिना पॉस मशीन के तीन से चार गुनी कीमत पर यूरिया खाद बेचने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत प्राप्त होते ही जांच टीम के सदस्यों खाद एवं उर्वरक निरीक्षक अमिनेश गावड़े, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कुलदीप साहू, किरण भंडारी और प्रवीण कवाची द्वारा कृषि केंद्रों के गोदामों में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान यूरिया खाद की बिक्री के बारे में मौके पर मौजूद किसानों से पूछताछ कर छानबीन की गई। किसानों ने बताया कि कृषि केंद्र के संचालक द्वारा एक बोरी यूरिया खाद एक हजार रुपए के दर से बिक्री की जा रही है।

किसानों की शिकायत पर कृषि सेवा केंद्र के संचालक पंकज पटेल को बुलाया गया तो उसने भानबेड़ा से बाहर होने की जानकारी दी। कुछ देर बाद फोन से पुनः संपर्क करने पर उसका मोबाइल फोन स्विच-ऑफ बताया गया। संचालक के कृषि सेवा केन्द्र नहीं पहुंचने पर निरीक्षण टीम द्वारा ग्राम पंचायत की सरपंच ममता ठाकुर, उप सरपंच खेमलाल साहू, ग्राम पटेल दुर्योधन नरेटी एवं नाराज किसानों की उपस्थिति में आगामी आदेश तक खाद गोदाम को सील कर दिया गया।

कृषि विभाग ने कड़ी कार्यवाही की दी चेतावनी

कांकेर जिले में कृषि आदान विक्रय की कालाबाजारी को रोकने जिला प्रशासन द्वारा कृषि विभाग के उप संचालक जितेन्द्र सिंह कोमरा के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गई है। टीम द्वारा कालाबाजारी की शिकायतों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। कृषि अधिकारियों ने खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार द्वारा उर्वरकों की कीमत तय की गई है, जिसका पालन करना सभी विक्रेताओं के लिए अनिवार्य है। कालाबाजारी बर्दास्त नहीं की जाएगी। अधिक दर पर खाद बेचने वाले दुकानदार किसानों के अधिकारों का हनन करते हैं, जो किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर करता है, इससे उनकी खेती और आय दोनों प्रभावित होती है। सरकार किसानों को उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे अधिक दर पर उर्वरक की बिक्री की जानकारी मिलने पर कृषि विभाग को सूचित करें, ताकि दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा सके।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, चिरमिरी में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्राथमिक शाला शिवपुर से सेवानिवृत्त शिक्षिका गायत्री चौरसिया जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. के उपाध्याय ने किया । शिक्षक दिवस के गरिमामयीआयोजन में सेवानिवृत शिक्षिका गायत्री चौरसिया का विधालय परिवार के द्वारा शाल श्रीफल देकर सम्मान किया गया । इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें गीत, नृत्य, कविताएँ एवं भाषण शामिल रहे। इसके अतिरिक्त शिक्षकों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिससे वातावरण आनंद और उत्साह से भर उठा।पूरे कार्यक्रम ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को पुनः स्मरण कराते हुए यह संदेश दिया कि शिक्षक ही समाज का वास्तविक मार्गदर्शक और राष्ट्र निर्माता होता है।

मेहनत, धैर्य और कौशल से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है: विजेता

'विजेता' बनी मेहनत, तकनीक और आत्मनिर्भरता की मिसाल

कोसा बीज उत्पादन में हासिल की उपलब्धि, केंद्रीय रेशम बोर्ड से मिला सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। विजेता कोरी ने आज अपने नाम के अनुरूप विजेता बनकर अपने नाम को सार्थक बना दिया है और यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, धैर्य और कौशल से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। वे अब न केवल अपने परिवार के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। ग्राम रमतला की विजेता रामसनेही उर्फ अन्नू कोरी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। साधारण परिवार से आने वाली अन्नु ने मेहनत और लगन से न केवल अपनी आजीविका को सशक्त बनाया बल्कि पूरे क्षेत्र में रेशम उत्पादन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने एक माह में 12 हजार कोसा बीज का उत्पादन किया। केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा विजेता को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

बिलासपुर जिला के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रमतला निवासी विजेता कोरी उर्फ अनु पिछले 10 वर्षों से रमतला रेशम अनुसंधान एवं विकास केंद्र से जुड़ी हुई हैं। प्रारंभ में उन्हें इस कार्य की जानकारी नहीं थी, लेकिन केंद्र से मिले प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन ने उनके भीतर आत्मविश्वास जगाया। उन्होंने धीरे-धीरे रेशम और कोसा बीज उत्पादन की बारीकियों को सीखी। विजेता ने बताया कि रेशम उत्पादन की प्रक्रिया बेहद कठिन है और कड़ा परिश्रम करनी पड़ती है, फिर भी मैंने हार नहीं मानी। दिन-रात मेहनत कर कोसा बीज उत्पादन किया और अकेले ही 12 हजार से अधिक बीज का निर्माण किया। हाल ही में केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा कोरबा जिले के पाली विकासखंड के ग्राम डोंगानाला में आयोजित कार्यक्रम मेरा रेशम, मेरा अभिमान में केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने मात्र एक माह में 12 हजार नग कोसा बीज तैयार कर रिकॉर्ड बनाया। इस कार्य से उन्होंने 40 हजार रुपये की आमदनी अर्जित की, विजेता ने अकेले यह उपलब्धि हासिल की। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, कौशल और आत्मविश्वास का परिणाम है। विजेता कोरी को केंद्रीय रेशम बोर्ड रांची के निदेशक डॉ. एन.बी. चौधरी, बिलासपुर के डॉ. नरेंद्र कुमार भाटिया और श्री सी एस लोन्हारे के हाथों सम्मानित किया गया।

कमार दीदियों की ज़िंदगी में बिहान से जुड़कर आई खुशहाली

छः महीने में बाड़ी व्यवसाय से महिलाओं ने अर्जित की 25 हजार आमदनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में पीएम जनमन ग्राम बल्दाकछार की विशेष पिछडी जनजाति कमार महिलाओं ने बिहान समूह से जुड़कर अपनी आजीविका को नई दिशा दी है। बिहान योजना के अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूह की 9 दीदियों ने सामूहिक रूप से बाड़ी और नर्सरी व्यवसाय की शुरुआत कर अपने जीवन में आत्मनिर्भरता और खुशहाली का नया अध्याय लिखा है।

अप्रैल माह से आरंभ किए गए इस कार्य से महज छः महीनों के भीतर ही समूह ने सब्जियों की बिक्री से लगभग 25 से 30 हज़ार रुपये तक की आमदनी अर्जित की है।

यह सफलता न केवल उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है बल्कि यह भी दर्शाता है कि संगठित होकर महिलाएं अपने आर्थिक भविष्य को मज़बूत कर सकती हैं। समूह की दीदियों ने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा हुआ और आज वे अपने परिवार की ज़िम्मेदारियों में आर्थिक

योगदान दे रही हैं। वे कहती हैं– ÷प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी द्वारा चलाई जा रही बिहान योजना ने हमारे जीवन को बदलने का अवसर दिया है। यह योजना हमारे लिए सिर्फ़ आत्मनिर्भरता का साधन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम है। इसके लिए हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।÷ आज बल्दाकछार की कमार दीदियां अपने परिश्रम और सफलता से न केवल अपने गांव में बल्कि आसपास की महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। बिहान समूह के अंतर्गत किए जा रहे इस सामूहिक प्रयास से यह साबित होता है कि जब महिलाएं एकजुट होकर कार्य करती हैं, तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान का महत्वपूर्ण माध्यम है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान कर रही है।

सागर में नेहा जैन ही होंगी देवरी नपा अध्यक्ष

शासन के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक; 11 दिन पहले पद से हटाया था

सागर, एजेंसी। सागर जिले की देवरी नगर पालिका की अध्यक्ष नेहा जैन को उनके पद से हटाने के मध्यप्रदेश शासन के आदेश पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि उन्हें इस तरह बिना ठोस प्रमाण के पद से नहीं हटाया जा सकता। अदालत के आदेश के बाद देर रात नेहा जैन के समर्थकों ने नगर पालिका चौराहे पर आतिशबाजी कर जश्न मनाया।

संदेह प्रमाण नहीं हो सकता : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता (नेहा जैन) के खिलाफ लगाए गए वित्तीय अनियमितता और गबन के आरोप संदेहास्पद तो हैं, लेकिन सिद्ध नहीं किए जा सके हैं। जांच रिपोर्ट में केवल इतना कहा गया है कि कुछ लेन-देन, जैसे कि एयर कंडीशनर की खरीदी, संदिग्ध पाई गई है।

अदालत ने साफ कहा कि संदेह कितना भी मजबूत क्यों न हो, वह प्रमाण का स्थान नहीं ले सकता। इसलिए याचिकाकर्ता को इस आधार पर पद से हटाना उचित नहीं है।

मस्टर रोल पर नियुक्तियों के लिए अकेले जिम्मेदार नहीं

याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि 13 मस्टर रोल कर्मचारियों की नियुक्ति परिषद की मंजूरी के बाद की गई थी, इसलिए इसके लिए अकेले अध्यक्ष नेहा जैन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

वित्तीय अनियमितताओं के आरोप पूरी तरह प्रमाणित नहीं पाए गए, इसलिए न्यायालय ने याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत देते हुए शासन के आदेश पर रोक लगा दी।

अगले आदेश तक नेहा जैन ही रहेंगी अध्यक्ष

कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक इस मामले पर अगला आदेश नहीं आता, तब तक नेहा जैन को देवरी नगर पालिका के अध्यक्ष के रूप में काम करने दिया जाए। राज्य शासन को रिट याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है।

सरिता जैन को मिला था प्रभार

नेहा जैन को हटाए जाने के बाद शासन द्वारा 29 अगस्त को सरिता जैन को देवरी नगर पालिका के अध्यक्ष पद का कार्यभार सौंपा गया था। उन्होंने पदभार ग्रहण भी कर लिया था। लेकिन हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद अब देवरी नगर पालिका की अध्यक्ष फिर से नेहा जैन ही रहेंगी। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

मऊ से उधना के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

रतलाम, नागदा स्टेशन पर दिया स्टॉपेज, दोनों दिशाओं में 6-6 राउंड लगाएगी

रतलाम, एजेंसी। रेलवे ने त्योहारी सीजन में बढ़ती भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए मऊ से उधना के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल छह-छह फेरे लगाएगी। ट्रेन को पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

मऊ से उधना की ओर ट्रेन का संचालन: गाड़ी संख्या 05017 मऊ-उधना स्पेशल ट्रेन 27 सितंबर से 1 नवंबर तक मऊ से चलेगी। यह ट्रेन हर शनिवार शाम 5:30 बजे मऊ से रवाना होगी और रविवार दोपहर 12 बजे उधना पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन रविवार को सुबह 4:28 बजे नागदा और सुबह 6:15 बजे रतलाम स्टेशन पर रुकेगी।

उधना से मऊ की ओर वापसी यात्रा: वापसी में गाड़ी संख्या 05018 उधना-मऊ स्पेशल ट्रेन 28 सितंबर से 2 नवंबर तक हर रविवार को उधना से रवाना होगी। यह ट्रेन दोपहर 3 बजे उधना से चलकर अगले दिन यानी सोमवार रात 10:30 बजे मऊ पहुंचेगी। इस दौरान यह रविवार रात 9:30 बजे रतलाम और 10:40 बजे नागदा स्टेशन पर रुकेगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए स्टॉपेज: इस स्पेशल ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के डिब्बे होंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन को मऊ और उधना के बीच बेलथरा रोड, सलेमपुर, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी, बादशाहनगर, ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल, टूंडला, इदगाह, बयाना, गंगापुर सिटी, भवानी मंडी, शामगढ़, नागदा, रतलाम और वडोदरा स्टेशनों पर ठहराया जाएगा। इस विशेष सेवा से त्योहारों के दौरान यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

खंडवा में ईदगाह की दीवार पर मैला लगाया

खारकला गांव की घटना, समाजजनों में ओक्रोश,पुलिस ने डिटर्जेंट से धुलवाया, सीसीटीवी खंगाले

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले के खालवा ब्लॉक के खारकला गांव में गुरुवार रात ईदगाह की दीवार और मिम्बर (जहां नमाज अदा की जाती है) पर किसी ने मैला लगा दिया। यह घटना उस वक्त सामने आई, जब समाज के कुछ लोग ईद के मौके पर ईदगाह में लाइटिंग लगाने पहुंचे थे। घटना के बाद से लोगों में आक्रोश है, पुलिस घटना की जांच और आरोपियों की तलाश कर रही है।

दुर्गंध से हुआ मामले का खुलासा

समाजजनों ने बताया कि जैसे ही गुरुवार रात 8 बजे विद्युत सज्जा करने ईदगाह पहुंचे, तो तेज दुर्गंध आई। इसके बाद जब दीवार और नमाज के स्थान की ओर देखा गया, तो वहां मैला फैला हुआ मिला। इसके बाद समाजजन आक्रोशित हो गए और तुरंत खालवा पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस-प्रशासन ने लिया घटनास्थल का जायजा

सूचना मिलते ही एसडीओपी हरसूद लोकेंद्र ठाकुर और टीआई जगदीश सिंधिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने समाज के लोगों से चर्चा की और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने दीवार और मिम्बर को साफ कराने की व्यवस्था कराई, जिसमें पानी और डिटर्जेंट का उपयोग किया गया।

अंधेरे का फायदा उठाकर की हरकत

स्थानीय लोगों ने बताया कि ईदगाह क्षेत्र में लाइटिंग की व्यवस्था नहीं होने से रात में वहां अंधेरा रहता है। इसी का फायदा उठाकर कुछ शरारती तत्वों ने यह हरकत की, जिससे गांव का माहौल खराब हो सके। हालांकि, समाज के लोगों ने शांति बनाए रखी और पुलिस के साथ मिलकर स्थिति को शांतिपूर्वक संभाला।

सीसीटीवी की जांच के लिए डीवीआर जब्त

ईदगाह के पास स्थित एक किराना दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। पुलिस ने घटनास्थल के पास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग तुरंत न देखकर डीवीआर जब्त कर लिया और थाने ले गई।

टीआई जगदीश सिंधिया ने बताया

ईद और अनंत चतुर्दशी के जुलूस के बाद इस मामले में गहराई से जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संवेदनशील है खारकला गांव

बता दें कि, खारकला गांव पहले से ही संवेदनशील माना जाता है। यहां पहले भी सांप्रदायिक तनाव से जुड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे में पुलिस इस मामले को लेकर पूरी सतर्कता बरत रही है।

रायसेन में औसत से ज्यादा बारिश, तालाब-डैम भरे किसानों को सिंचाई में नहीं होगी परेशानी

उदयपुरा में सबसे ज्यादा 78.22 इंच गिरा पानी

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में इस मानसून सीजन में सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। अच्छी बारिश से जिले के जलाशय भर गए हैं। बाड़ी स्थित बारना और हलाली डैम अपनी पूरी क्षमता तक भर चुके हैं। बारना के सात बार और हलाली डैम के पहली बार गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। हलाली डैम से विदिशा और रायसेन की जल आपूर्ति पूरे साल सुचारू रहेगी।शहर के तीनों प्रमुख तालाब भी लबालब हो गए हैं। भोपाल रोड स्थित चोपड़ा तालाब, दशहरा मैदान स्थित पूरन तालाब और वार्ड 9 में स्थित प्राचीन मिश्रा तालाब पूरी तरह भर चुके हैं। इससे आसपास के क्षेत्र का भूजल स्तर बढ़ेगा और गर्मी में जल संकट नहीं होगा। क्षेत्र के ट्यूबवेल भी रिचार्ज होंगे।

इस साल 14.10 इंच ज्यादा बारिश हुई

1 जून से 4 सितंबर तक जिले में 55.55 इंच बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य औसत बारिश 47.13 इंच से 8.42 इंच ज्यादा है। पिछले साल की तुलना में 14.10 इंच ज्यादा बारिश हुई है।

रायसेन में 46.75 इंच गिरा पानी

जिले में सबसे ज्यादा बारिश उदयपुरा में 78.22 इंच दर्ज की गई। बरेली में 58.86 इंच और सिलवानी में 57.88 इंच बारिश हुई। अन्य क्षेत्रों में बेगमगंज में 55.06 इंच, देवरी में 55.47 इंच, सुल्तानपुर में 50.86 इंच, बाड़ी में 50.79 इंच, गौहरगंज में 49.67 इंच, गैरतगंज में 51.89 इंच और रायसेन में 46.75 इंच वर्षा दर्ज की गई।

उज्जैन में 8 साल की इच्छा बनी बाल आरक्षक, पिता की मौत के बाद मिली अनुकंपा नियुक्ति

एसपी ने आवेदन के 25 मिनट में नियुक्ति पत्र सौंपा

उज्जैन, एजेंसी,। उज्जैन में चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 8 साल की इच्छा अब बाल आरक्षक बन गई है। एसपी प्रदीप शर्मा ने पिता का साया उठने के बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए किए गए आवेदन पर मात्र 25 मिनट में ही बच्ची को नियुक्ति पत्र जारी कर दिया।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि थाना महाकाल में पदस्थ प्रधान आरक्षक देवेंद्र सिंह रघुवंशी का 17 मई 2025 को अचानक हृदय गति रुक जाने से दुखद निधन हो गया था। 2 सितंबर 2025 को मृतक प्रधान आरक्षक की पत्नी अपनी 8 वर्षीय पुत्री इच्छा के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं और बाल आरक्षक नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन के तुरंत बाद इच्छा को बाल आरक्षक के पद पर नियुक्त किया गया।

उज्जैन पुलिस अधीक्षक ने आवेदन प्राप्त होते ही संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल आदेश जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ की। एसपी बोले-पुलिस में बाल आरक्षक का प्रावधान होता है

उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस में बाल आरक्षक का प्रावधान होता है। किसी के घर में मृत्यु हो जाए और उस घर में बच्चा हो तो उसे बाल आरक्षक की नौकरी दी जा सकती है।

उसे करीब 10 हजार रुपए सैलरी मिलेगी। जो उसकी पढ़ाई के लिए दिया जाता है। इस वेतन के लिए बच्ची के नाम पर खाता खुलवाया जाता है, जिसकी अभिभावक मां होती है। 18 वर्ष की आयु पूरी होते ही उसे नियमित नियुक्ति मिल जाएगी। अभी भी वह पुलिस का फुल-टाइम कर्मचारी माना जाता है, लेकिन 18 वर्ष के बाद पूरी सैलरी मिलने लगती है।

यह प्रावधान बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान रखने के लिए है। पुलिस में नियम है कि परिवार में मृत्यु के बाद यदि घर में बच्चा हो तो उसे बाल आरक्षक बनाया जा सकता है। बच्चों की पढ़ाई में कोई व्यवधान न हो, इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाती है।

2020 में शहीद इंस्पेक्टर पाल की बेटी को मिली थी अनुकंपा नियुक्ति

वहीं 2020 में कोविड-19 से लड़ते हुए और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीद इंस्पेक्टर यशंवत पाल की बेटी फाल्गुनी पाल को उपनिरीक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई थी।

सीहोर के गणेश पंडाल में छोटे कपड़ों पर रोक

मर्यादित वस्त्र पहनकर ही मिलेगा प्रवेश

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में गणेश उत्सव के दौरान जगदीश मंदिर चौराहे पर स्थित गणेश पंडाल में एक विशेष नियम लागू किया गया है। भगत सिंह क्लब द्वारा स्थापित इस पंडाल में छोटे या अमर्यादित कपड़े पहनकर आने वालों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पंडाल के बाहर लगाए गए बोर्ड में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसमें हाफ पैंट, बरमुडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट और कटी-फटी जींस पहनकर आने वालों को बाहर से ही दर्शन करने का निर्देश दिया गया है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से मर्यादित कपड़े पहनकर आने की अपील की है।

समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र राठौर ने इस नियम के पीछे का कारण बताया। उनके अनुसार यह कदम भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और मंदिर की मर्यादा बनाए रखने के लिए उठाया गया है। उन्होंने अन्य गणेश उत्सव समितियों से भी ऐसे ही बोर्ड लगाने की अपील की है।

इस नए नियम पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोग इसे सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए एक सकारात्मक पहल मान रहे हैं। वर्तमान में नगर में कई स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जहां दस दिवसीय गणेशोत्सव मनाया जा रहा है।

देनवा नदी पर पुल बनाने में फॉरेस्ट नियम बने रोड़ा, जान जोखिम में डाल नदी पार रहे नांदिया के ग्रामीण; अधिकारी बोले- परमिशन नहीं मिली

नर्मदापुरम, एजेंसी,। नर्मदापुरम जिले की सबसे दूरस्थ और दुर्गम पंचायत नांदिया के ग्रामीणों की सबसे बड़ी समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। बरसात आते ही यहां के लोगों को देनवा नदी पार करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। यह स्थिति हर साल सामने आती है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। जंगल क्षेत्र और रिज़र्व फॉरेस्ट के नियमों के कारण पुल निर्माण की मंजूरी फंसी हुई है।

नांदिया- एक पंचायत, छह गांव और एक अधूरी उम्मीद: नांदिया पंचायत नर्मदापुरम जिला मुख्यालय से करीब 180 किलोमीटर दूर, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के बफर ज़ोन में स्थित है। इस पंचायत में कुल छह गांव शामिल हैं। यहां पहुंचने के लिए ग्रामीणों को छिंदवाड़ा जिले के देलाखारी और भूरा भगत जैसे इलाकों से होकर आना पड़ता है। देनवा नदी इन दोनों जिलों की सीमा तय करती है, लेकिन इस नदी पर आज तक कोई पुल नहीं बन पाया है। हर साल बारिश के मौसम में यह नदी उफान पर आ जाती है। ग्रामीणों को जरूरत पड़ने पर इलाज, राशन, गेहूं पिसवाने या छोटे-छोटे कामों के लिए नदी को ट्यूब पर बैठकर या कपड़े उतारकर पैदल ही पार करना पड़ता है।

बांस से टांगकर ले जाते हैं बाइक, सिर पर रखकर पार करते हैं सामान: स्थानीय ग्रामीण रामकिशन दर्शमा ने बताया कि कई बार सिर पर पोटली रखकर और कपड़े उतारकर नदी पार करनी पड़ती है। बाइक को बांस में टांगकर दूसरी ओर ले जाया जाता है। नदी पार करते समय दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता है। उन्होंने कहा, हमारी जिंदगी हर बार प्रशासन की अनुमति की फाइलों में अटक जाती है।

पुल निर्माण की शुरुआत हुई, लेकिन एसटीआर ने रुकवाया काम: ग्रामीणों की लंबे समय से मांग रही है कि देनवा नदी पर पुल या रपटा बनाया जाए। विधानसभा चुनाव से पहले ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार की चेतावनी दी थी, जिसके बाद तत्कालीन कलेक्टर नीरजकुमार सिंह ने चुनाव के बाद पुल निर्माण का वादा किया। दिसंबर 2023 में रपटा निर्माण के लिए प्रथम चरण की स्वीकृति भी जारी कर दी गई।

मार्च 2024 में करीब 60.66 लाख रुपए की लागत से काम शुरू हुआ और विधिवत भूमिपूजन भी कराया गया। लेकिन उसी दिन सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के रेंजर और कर्मचारियों ने आकर काम रुकवा दिया। उनका कहना था कि निर्माण स्थल रिज़र्व फॉरेस्ट क्षेत्र में आता है, इसलिए पहले परमिशन जरूरी है। इसके बाद से मार्च 2024 से लेकर अब तक यह मामला फाइलों में ही अटका हुआ है।

महिला गिर गई थी ट्यूब से, वीडियो आया था सामने: अगस्त 2024 में एक वीडियो सामने आया था, जिसमें एक महिला को ट्यूब पर बैठाकर नदी पार कराया जा रहा था। इस दौरान महिला संतुलन खो बैठी और नदी में गिर गई।

फिडे ग्रांड स्विस 2025: गुकेश ने जीता पहला मुकाबला, प्रज्ञानानंद ड्रॉ पर रुके; दिव्या हारीं

नई दिल्ली, एजेंसी। समरकंद (उज़्बेकिस्तान) में चल रहे फिडे ग्रांड स्विस 2025 की शुरुआत भारतीय खिलाड़ियों के मिले-जुले परिणामों के साथ हुई। मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी एटिएन बाक्रो को पहले ही दौर में हराकर धमाकेदार आगाज़ किया। गुकेश ने काले मोहरों से खेलते हुए कैरो-कान डिफेंस अपनाया और बीच खेल (मिडलगेम) में अद्भुत जटिलताएँ पैदा कर दीं। बाक्रो बराबरी पर टिके रहने की कोशिश करते रहे लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर ने एक शानदार एक्सचेंज बलिदान देकर निर्णायक बढ़त बनाई और जीत अपने नाम की। अगली बाज़ी में गुकेश सफेद मोहरों से उतरेंगे। दूसरी ओर, शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अमेरिका के जेफ्री जियोंग ने ड्रॉ पर रोक दिया। फ्रेंच डिफेंस में खेले गए इस मुकाबले में जियोंग ने लगातार मोहरे बदलते हुए हल्का दबाव बनाया, लेकिन खेल अंततः दोहराव पर समाप्त हुआ। महिला विश्व कप विजेता और ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को हालांकि हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने ओपन सेक्शन में शुरुआत अभिमन्यु पुराणिक से हारकर की। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में, विजेता विदित गुजराती ने जर्मनी के अलेक्जेंडर डोंचेंको को परास्त किया, जबकि पी. हरिकृष्णा को स्लोवेनिया के एंटन डेंचेनकोव ने सफेद मोहरों से खेलते हुए हराया। निहाल सरीन जर्मनी के रस्मुस स्वाने से ड्रॉ पर रुके। महिला वर्ग में, आर. वैशाली ने उज़्बेकिस्तान की गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा को हराकर जीत से अभियान शुरू किया। वहीं, वंतिका अग्रवाल ने यूक्रेन की यूलिया ओस्माक को मात दी। भारत की डी. हरिका का मुकाबला इज़रायल की मार्सेल एफोरिम्स्की से ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

यूएस ओपन 2025: युकी भांबरी का सफर थमा, पुरुष युगल सेमीफ़ाइनल में मिली हार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युकी भांबरी ने यूएस ओपन 2025 के पुरुष युगल वर्ग में सेमीफ़ाइनल तक पहुंचकर इतिहास रच दिया। यह उनका किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा। हालांकि सेमीफाइनल में उनका सफर थम गया। 33 वर्षीय दिल्ली के खिलाड़ी भांबरी और उनके न्यूज़ीलैंड के पार्टनर माइकल वीनस को ब्रिटेन की अनुभवी छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी नील स्कुप्स्की और जो सालिसबरी के हाथों 7-6(2), 6-7(5), 4-6 से हार झेलनी पड़ी। भांबरी ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम युगल के सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले केवल चौथे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना को हासिल हुई थी। इस भारतीय-न्यूज़ीलैंड जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और कई बड़े उलटफेर किए। क्वार्टरफ़ाइनल में उन्होंने चौथी वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी टिम पुट्ज़/केविन क्राविएट्ज़ को हराया और उससे पहले 11वीं वरीयता प्राप्त राजीव राम/निकोल मेक्टिक को भी मात दी। हार के बाद भांबरी ने कहा, यह मेरे लिए खास हफ्ता रहा। इस स्तर पर और ग्रैंड स्लैम के सेमीफ़ाइनल तक खेलना मेरे करियर का बड़ा पल है। पिछले दशक में लगातार चोटों से जूझने के बाद भांबरी का यह प्रदर्शन उनके करियर के दूसरे चरण में एक नई उम्मीद जगाता है। इस परिणाम से उन्हें रैंकिंग में बढ़त और बाकी सीज़न के लिए अहम आत्मविश्वास मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया की महिला विश्व कप टीम में सोफी मोलिन्यूस की वापसी

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने महिला वनडे विश्व कप 2025 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिन्यूक्स की वापसी हुई है। मोलिन्यूक्स लंबे समय से चोट के कारण बाहर थीं और इसी साल जनवरी में उनके घुटने का ऑपरेशन हुआ था। हालांकि वह भारत के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज़ से बाहर रह सकती हैं, लेकिन उम्मीद है कि विश्व कप (30 सितंबर से) तक वह पूरी तरह फिट हो जाएंगी। टीम को डार्सी ब्राउन (क्वाड इंजरी) और जॉर्जिया वेयरहम (ग्रोइन इंजरी) की भी वापसी से मजबूती मिली है। वहीं, एलिसा हीली ने भी पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के लिए वापसी कर फिटनेस हासिल कर ली है। टीम फिजियो केट बीरवर्थ ने कहा, सोफी मोलिन्यूक्स रिकवरी में अच्छा कर रही हैं और हमें उम्मीद है कि वह विश्व कप के लिए तैयार रहेंगी। एलिसा हीली और जॉर्जिया वेयरहम भी अब पूरी तरह से ट्रेनिंग में वापसी कर चुकी हैं। करीब तीन साल पहले स्टेडियम की आउटफील्ड को पूरी तरह उखाड़कर एडवांस सब-एयर सिस्टम लगाया गया था। उस समय राई घास के साथ-यह घास सर्दियों में तेजी से बढ़ती है और खेल के लिए बेहतरीन मानी जाती है, जिससे दिसंबर में होने वाले मैच के लिए एक शानदार आउटफील्ड तैयार हो जाएगी।

साथ बरमूडा घास का बीज भी बोया गया था, लेकिन मिक्स घास के कारण मैदान में जगह-जगह खराब पैच बनने लगे थे। इसी वजह से अब ॥क्ष्ट ने आउटफील्ड को पूरी तरह से नई राई घास से तैयार करने का फैसला लिया है। नई राई घास का बीज जल्द डाला जाएगा। इससे दिसंबर में मैच से पहले एक बेहतरीन आउटफील्ड तैयार होगी। यह घास पहले भी सफलतापूर्वक इस्तेमाल की जा चुकी है।मोलिन्यूक्स के साथ ही पहली बार 50 ओवरों के विश्व कप के लिए चुनी गई खिलाड़ियों में फीबी लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम और किम गार्थ शामिल हैं। वहीं, ग्रेस हैरिस को मौका मिला तो वह भी पहली बार वनडे विश्व कप में उतरेंगी। ऑस्ट्रेलिया का स्पिन विभाग अब और भी मजबूत हो गया है, जिसमें गार्डनर, अलाना किंग, वेयरहम और मोलिन्यूक्स जैसी स्पिनर शामिल हैं। बल्लेबाज़ी में जॉर्जिया वोल को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। भारत के खिलाफ होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलिया ने ऑलराउंडर चार्ली नॉट और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ निकोल फाल्टम को भी शामिल किया है। हालांकि, ये दोनों खिलाड़ी विश्व कप से पहले टीम से लौट जाएंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, हमने हर स्थिति को ध्यान में रखते हुए टीम चुनी है। भारत और श्रीलंका की पिचों पर स्पिनर्स अहम भूमिका निभाएंगे। सोफी मोलिन्यूक्स की प्रगति उत्साहजनक है और हमें भरोसा है कि वह विश्व कप के लिए फिट रहेंगी। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने 2022 में न्यूजीलैंड में अपना छठा महिला वनडे विश्व कप खिताब जीता था। वह 1 अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा।

ऑस्ट्रेलिया महिला विश्व कप 2025 टीम: एलिसा हीली (कप्तान), तहलिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, सोफी मोलिन्यूक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट, एन्नाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

लियोनेल मेसी के दो गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 3-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। लियोनेल मेसी ने दो शानदार गोल दागे, जिसकी बदौलत अर्जेंटीना ने गुरुवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को वेनेजुएला को 3-0 से हराकर अपने आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले को यादगार बना दिया। 38 वर्षीय मेसी ने भले ही संन्यास की तारीख साफ नहीं की है, लेकिन उन्होंने पहले ही यह संकेत दे दिया था कि वेनेजुएला के खिलाफ यह मुकाबला उनका घरेलू जमीन पर आखिरी विश्व कप क्वालिफायर होगा।फ्रिट्ज़ के खिलाफ अपने अब तक के सभी 10 मुकाबले जीत चुके जोकोविच को इस बार भी कड़ी टक्कर मिली। पहले सेट में उन्होंने नौवें गेम में पांच ब्रेक प्वॉइंट बचाते हुए बढ़त बनाई और फिर दमदार क्रॉसकोर्ट शॉट के साथ दूसरा सेट भी अपने नाम किया। हालांकि चौथे सीड फ्रिट्ज़ ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने पक्ष में किया और घरेलू दर्शकों में उम्मीद जगाई।ौर आखिरकार मैच को अपने नाम कर लिया। पहले से ही अगले साल उत्तर अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने शुरुआत से ही मुकाबले पर दबदबा बनाए रखा। निकोलस टैगलियाफिको और फ्रैंको मास्तांतूनो ने शुरुआती मौके बनाए लेकिन वेनेजुएला के गोलकीपर राफेल रोमो ने उन्हें रोक दिया। 39वें मिनट में मेसी ने कप्तानी अंदाज में जूलियन अल्वारेज़ के पास पर तेज़ काउंटर-अटैक से गोल करते हुए अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में भी अर्जेंटीना का दबदबा कायम रहा। 76वें मिनट में निको गोंजालेज़ के क्रॉस पर लाउटारो मार्टिनेज़ ने डाइविंग हेडर से दूसरा गोल दागा। मात्र चार मिनट बाद थियागो अल्माडा के असिस्ट पर मेसी ने एक और गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इस जीत के साथ अर्जेंटीना 38 अंकों के साथ 2026 विश्व कप दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग तालिका में शीर्ष पर है। अब टीम मंगलवार को इक्वाडोर के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगी। वहीं, वेनेजुएला अपने घरेलू मैदान पर कोलंबिया के खिलाफ मुकाबले में क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बरकरार रखने की कोशिश करेगा।

त्रिकोणीय टी 20 सीरीज: ज़मान और अबरार की चमक से पाकिस्तान की यूएई पर आसान जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह में गुरुवार रात खेले गए त्रिकोणीय टी 20 सीरीज के मुकाबले में पाकिस्तान ने मेज़बान यूएई को 31 रन से हराते हुए फाइनल में जगह बना ली। पाकिस्तान अब रविवार (7 सितंबर) को अफगानिस्तान से खिताबी भिड़ंत करेगा। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साहिबजादा फ़रहान ने दो चौके और एक छक्का लगाया, लेकिन जल्दी ही आउट हो गए। सैम अयूब और सलमान अली आगा भी पावरप्ले में सस्ते में लौट गए। मोहम्मद हारिस और हसन नवाज़ भी टिक नहीं सके, और पाकिस्तान का स्कोर 12 ओवर में 81/5 हो गया।

यहीं से फ़ख़र ज़मान (77* रन, 44 गेंद) और मोहम्मद नवाज़ (37* रन) ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर 91 रनों की नाबाद साझेदारी की। आखिरी दो ओवरों में पाकिस्तान ने 42 रन बनाए। नवाज़ ने 19वें ओवर में लगातार तीन चौके और एक छक्का जड़ा, जबकि ज़मान ने 20वें ओवर में लगातार पाँच चौके लगाकर पाकिस्तान को 171/5 तक पहुँचा दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई ने अच्छी शुरुआत की और बिना विकेट खोए 41 रन बनाए। लेकिन पावरप्ले के बाद अबरार अहमद (4 विकेट, 9 रन) ने कहर बरपाया। उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट झटके और यूएई की पारी 72/1 से 102/5 पर पहुंच गई। अलिशान शरफ़ू ने 68 रन की दमदार पारी खेली, लेकिन उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। शाहीन अफरीदी ने भी एक अहम विकेट लिया और यूएई की टीम निर्धारित 20 ओवर में 140/7 तक ही पहुँच सकी।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड: पाकिस्तान ङ्क 171/5, 20 ओवर (फ़ख़र ज़मान 77*, मोहम्मद नवाज़ 37*; हैदर अली 2-17) यूएई ङ्क 140/7, 20 ओवर (अलिशान शरफ़ू 68, मोहम्मद वसीम 19; अबरार अहमद 4-9, शाहीन अफरीदी 1-23) परिणामः पाकिस्तान 31 रन से विजयी।

यूएस ओपन 2025: सबालेंका ने जेसिका पेगुला को हराकर फाइनल में बनाई जगह

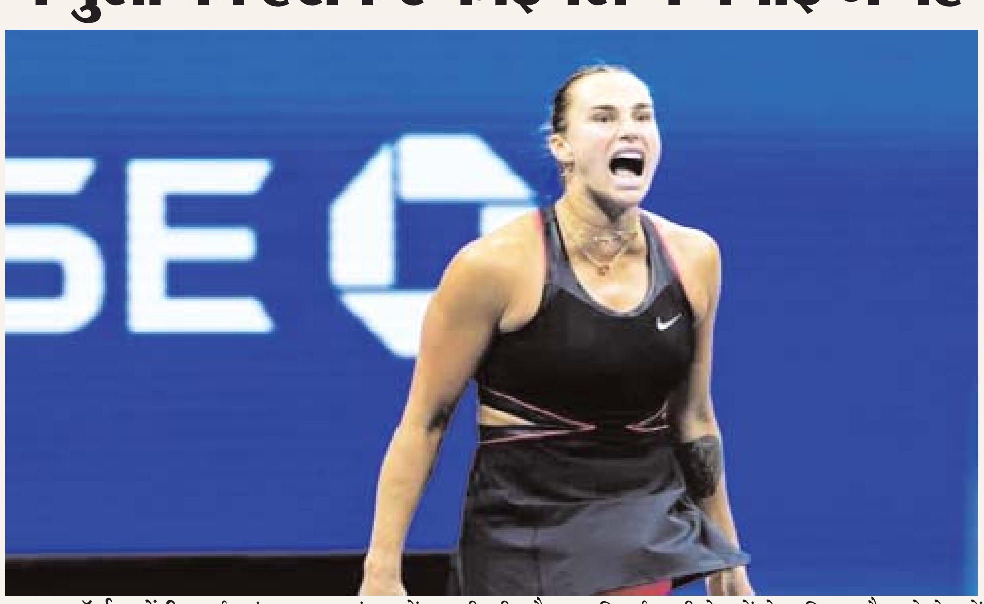

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर -1 आर्यना सबालेंका ने शानदार वापसी करते हुए अमेरिकी स्टार जेसिका पेगुला को हराकर यूएस ओपन 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय समयानुसार शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारूस की खिलाड़ी ने 4-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। पिछले साल के फाइनल का रीमैच माने जा रहे इस मुकाबले में सबालेंका की शुरुआत कमजोर रही। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने जबरदस्त अंदाज में वापसी की और 43 विनर्स व आठ ऐस की मदद से घरेलू दर्शकों के बीच पेगुला पर दबाव बना दिया।

पेगुला ने पहले सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल तीन अनफोर्स्ड एरर किए और शुरुआती ब्रेक एक्सचेंज के बाद बढ़त हासिल कर ली। लेकिन दूसरे सेट से सबालेंका नए आत्मविश्वास के साथ कोर्ट पर लौटीं। उन्होंने लगातार तीन गेम जीते और अपने आक्रामक खेल से मैच का रुख बदल दिया।

निर्णायक सेट में सबालेंका ने पहले ही गेम में ब्रेक किया और छठे गेम में तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर अपनी दृढ़ता दिखाई। हालांकि पेगुला ने दो मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबले को और रोमांचक बना दिया, लेकिन सबालेंका ने फोरहैंड विनर के साथ जीत सुनिश्चित की और जोरदार जश्न मनाया।

फाइनल में अब सबालेंका का सामना जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका और अमेरिका की आठवीं वरीय अमांडा अनीसिमोवा के बीच होने वाले विजेता से होगा।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास वापस लिया, करेंगे समोआ टीम का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, एजेंसी ।न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का ऐलान किया है। टेलर अब समोआ टीम की ओर से आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप एशिया-ईस्ट एशिया पैसिफिक क्वालिफायर में खेलते नज़र आएंगे। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप के लिए समोआ की आखिरी राह है। समोआ की टीम अपना अभियान 8 अक्टूबर से ओमान में शुरू करेगी, जहां उसका सामना ओमान और पापुआ न्यू गिनी से होगा। I 19 अक्टूबर से है। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 19-15 अक्टूबर के बीच तीन वनडे और 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। जबकि एशेज सीरीज का पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। सीए ने अपने बयान में कहा,पैट कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। वे अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को जारी रखेंगे, और उनकी गेंदबाजी में वापसी एशेज की तैयारी के हिसाब से तय की जाएगी। कमिंस की रीढ़ की हड्?डी में दर्द है 32 साल के कमिंस ने इस साल यूके और कैरेबियन में चार टेस्ट मैचों में 95 से ज्यादा ओवर गेंदबाजी की थी। इसके बाद उन्हें कमर में दर्द की शिकायत हुई। मेडिकल जांच में उनकी रीढ़ के निचले हिस्से में समस्या सामने आई। टेलर ने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा, यह आधिकारिक है कि मैं नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह सिर्फ उस खेल में वापसी नहीं है, जिसे मैं प्यार करता हूं, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांवों और परिवार का सम्मान करने का भी बड़ा अवसर है। टेलर ने आगे कहा, मैंने हमेशा सोचा था कि समोआ के लिए कोचिंग या किसी अन्य भूमिका में योगदान दूंगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं खेलूंगा। लेकिन जब यह मौका मिला तो मैंने इसे अपनाने का फैसला किया। अब मेरा ध्यान बस तेजी से फिट होने और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर है। दरअसल, टेलर की मां समोआ मूल की हैं, जिससे उन्हें समोआ का प्रतिनिधित्व करने की पात्रता मिली। न्यूजीलैंड के लिए आखिरी मैच अप्रैल, 2022 में खेलने के बाद टेलर ने तीन साल का स्टैंडऑफ पीरियड पूरा कर लिया है। इसके बाद अब वह दूसरी अंतरराष्ट्रीय टीम से खेलने के योग्य हो गए हैं।41 वर्षीय टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए 450 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 18,199 रन बनाए। इसमें टेस्ट में 7683, वनडे में 8607 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 1909 रन शामिल हैं। वह जून 2021 में न्यूजीलैंड को पहली बार आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जिताने वाली टीम का हिस्सा भी रहे।

जिला स्तरीय शिक्षक समारोह शिक्षकों का सम्मान

शिक्षक छात्रों को जीवन में आगे बढने का ज्ञान देते है: प्रतिमा बागरी

गुरू के बिना कोई भी ज्ञान सम्पूर्ण नहीं हो सकता: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि शिक्षक छात्रों को जीवन में आगे बढने का ज्ञान देते है और उनका भविष्य गढते हैं। आज के वर्तमान युग की आधुनिक शिक्षा में गुरू और शिष्य की मर्यादा और समन्वय को बनाये रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में संस्कारों का होना जरूरी है। शिक्षकों को विद्यार्थियों में संस्कार युक्त शिक्षा देने का प्रयास करना चाहिए। नगरीय विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सतना जिले के जिला पंचायत सभागार में जिला शिक्षा समिति द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद गणेश सिंह ने की। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, विंध्य चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, जिला पंचायत सदस्य ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू, रमाकांत पयासी, सहयोजित सदस्य डॉ. पंकज सिंह परिहार, एकता सिंह, आरती चौधरी, मनीषा सिंह, पूजा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि आज का दिन भारत के लिए गर्व का दिवस है। भारत के इतिहास में व्यक्तित्व के निर्माण सहित वीरता, कला, संगीत, खेल, अनुसंधान, अंतरिक्ष के वैज्ञानिकों सहित विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण में शिक्षकों की ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत को विश्व गुरू कहा गया है। शिक्षकों द्वारा अपने दायित्व का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने के दायित्व भावना बोध के फलस्वरूप ही यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और गुरू के बिना कोई भी ज्ञान सम्पूर्ण नहीं हो सकता। दुनिया को शिक्षा देने वाले विश्वविद्यालय और गुरूकुल की परंपरा हमारे देश में रही है। सांसद ने कहा कि मैकाले की शिक्षा पद्धति के बाद देश में वर्ष 2020 में नई शिक्षा नीति की पद्धति लागू की गई है। संस्कारयुक्त शिक्षा और ज्ञान शक्ति से इस दिशा में आगे बढ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज सरकारी स्कूलों की पूंछ-परख बढी है और नई शिक्षा नीति की जो नींव डाली गई है। उसका परिणाम है कि सरकारी विद्यालयों से हर विधा के विद्वान आगे निकल रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि समाज ने जो आदर और सम्मान हमें दिया है। उसे बनाये रखने के लिए हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ हमेशा करते रहे। शिक्षक समाज का दर्पण होते हैं। शिक्षकों के जीवन चरित्र और प्रतिभा को देखकर ही प्रेरणा लेकर विद्यार्थी अपने जीवन आगे बढते है और अपना भविष्य सुखमय बनाते हैं।

महापौर योगेश ताम्रकार ने शिक्षकों के बीच अपनी बात रखते हुए कहा कि वास्तव में समाज और राष्ट्र के नवनिर्माण में शिक्षकों का योगदान अनुपम है। वे केवल विद्यार्थियों को शिक्षित ही नहीं करते, बल्कि भावी पीढ़ी को संस्कारित कर राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि शिक्षक दिवस का समारोह हम सभी शिक्षकों को प्रेरणा देता है। जिन्होंने शिक्षण कार्य को अपना कर्म समझकर निभाया है। उन्होंने कहा कि गुरूजन ईश्वर द्वारा प्रदत्त इस शिक्षण कार्य की शक्ति को भलिभाति उपयोग करते हुए इसी तरह सम्मान पाते रहे। जिला पंचायत की उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह परिहार ने कहा कि शिक्षक आने वाली पीढियों का भविष्य गढते है। शिक्षा समिति की अध्यक्ष होने के नाते सतना और मैहर जिले के शिक्षा के स्तर को बढाने का निरंतर प्रयास जिला पंचायत द्वारा किया जा रहा है।

कमिश्नर ने मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 7 सितम्बर को एक दिवसीय प्रवास पर मऊगंज जिले में देवतालाब आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव देवतालाब विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन स्थल और मनोरम प्रपात बहुती का भ्रमण करेंगे। मुख्यमंत्री देवतालाब में प्रसिद्ध शिव मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद स्टेडियम देवतालाब में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। कमिश्नर बीएस जामोद तथा डीआईजी राजेश सिंह चंदेल ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण स्थलों का दौरा करके तैयारियों का जायजा लिया। मुख्य कार्यक्रम स्थल में कमिश्नर ने मंच की व्यवस्था, साउण्ड सिस्टम, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि तीनों कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा और वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था करें। मंच पर केवल सूचीबद्ध विशिष्ट व्यक्तियों को ही प्रवेश दें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन शामिल होंगे। इनके बैठने और पानी की समुचित व्यवस्था करें। वर्षाकाल को ध्यान में रखकर समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने इसके बाद देवतालाब मंदिर का भ्रमण कर मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। कमिश्नर ने मंदिर की साफ-सफाई तथा साज-सज्जा के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर तथा डीआईजी ने भगवान शिव के दर्शन तथा पूजा-अर्चना की। इसके बाद कमिश्नर ने बहुती जलप्रपात का भ्रमण किया। निरीक्षण के समय उपस्थित कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने मुख्यमंत्री जी के दौरे के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बहू की अर्थी के पास खड़े व्यक्ति पर गिरी बाइक, 20 दिन बाद इलाज के दौरान तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के फरहदा गांव में बहू के अंतिम संस्कार के दौरान भगवानदीन विश्वकर्मा पर बाइक गिर गई। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। 20 दिन तक रीवा के संजय गांधी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। शुक्रवार को उनकी मौत हो गई।

पेड़ से टकराई बाइक, छिटककर भगवानदीन पर गिरी: भगवानदीन की बहू कमला विश्वकर्मा के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे दो बाइक सवार अनियंत्रित होकर पत्थर से टकरा गए। टक्कर के बाद बाइक पहले आम के पेड़ से टकराई और फिर छिटककर भगवानदिन पर जा गिरी।

20 दिन बाद इलाज के दौरान हुई मौत: हादसे में गंभीर रूप से घायल भगवानदीन को तुरंत रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि 20 दिन बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के चाचा रामाधार विश्वकर्मा ने बताया कि पहले बहू और अब भतीजे की मौत से

रीवा में शिक्षा विभाग का कार्यालय गंदगी से सराबोर

पान-गुटके की पीक से रंगी दीवारें; प्रभारी कलेक्टर ने डीईओ से मांगा जवाब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में स्वच्छता को लेकर किए जा रहे सरकारी दावों के बीच जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की दीवारें पान और गुटके की पीकों से रंगी हुई हैं। यहां तक कि जिला शिक्षा अधिकारी का केबिन भी इससे अछूता नहीं बचा है।

हर कोना गंदगी से भरा, कर्मचारियों ने शिक्षकों पर डाला दोष: शहर के शिल्पी प्लाजा स्थित डीईओ कार्यालय के छह कमरों में गंदगी हर कोने में नजर आती है। जब वहां मौजूद कर्मचारियों से इस बदहाल स्थिति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने वहां आने वाले शिक्षकों पर इसका ठीकरा फोड़ दिया। हालांकि खुद भी कई कर्मचारी पान-गुटका खाते हुए नजर आए।

स्वच्छता में फाइव स्टार का दावा, लेकिन शिक्षा विभाग बना सबसे गंदा कार्यालय: रीवा शहर को भले ही स्वच्छता रैंकिंग में फाइव स्टार रेटिंग मिल चुकी हो, लेकिन अगर स्वच्छता सर्वेक्षण करने वाली टीम ने डीईओ कार्यालय की एक झलक भी देख ली होती, तो शायद शहर को सिंगल स्टार भी न मिलता। यह हालात किसी रिपोर्ट में नहीं, बल्कि खुद कार्यालय की दीवारों और फर्श पर मौजूद पीक और गंदगी साफ बयान कर रही हैं।

अनुशासन सिखाने वाले खुद कर रहे अनुशासनहीनता: जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में रोजाना बड़ी संख्या में शिक्षक, प्राचार्य और विभागीय अधिकारी आते हैं। ये वही लोग हैं जो बच्चों को अनुशासन, शिक्षा और संस्कार सिखाने की बात करते हैं, लेकिन कार्यालय परिसर में उनकी लापरवाही और गंदगी के प्रति नजरअंदाजी से साफ है कि वे खुद इन मूल्यों का पालन नहीं कर रहे।

प्रभारी कलेक्टर हुए नाराज, मांगा स्पष्टीकरण: जैसे ही जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अंदर की गंदगी और पान-गुटका से सनी दीवारों की तस्वीरें सामने आईं, प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने नाराजगी जताई।

कमिश्नर ने मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 7 सितम्बर को एक दिवसीय प्रवास पर मऊगंज जिले में देवतालाब आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव देवतालाब विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन स्थल और मनोरम प्रपात बहुती का भ्रमण करेंगे। मुख्यमंत्री देवतालाब में प्रसिद्ध शिव मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद स्टेडियम देवतालाब में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

कमिश्नर बीएस जामोद तथा डीआईजी राजेश सिंह चंदेल ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण स्थलों का दौरा करके तैयारियों का जायजा लिया। मुख्य कार्यक्रम स्थल में कमिश्नर ने मंच की व्यवस्था, साउण्ड सिस्टम, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि तीनों कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा और वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था करें। मंच पर केवल सूचीबद्ध विशिष्ट व्यक्तियों को ही प्रवेश दें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन शामिल होंगे। इनके बैठने और पानी की समुचित व्यवस्था करें। वर्षाकाल को ध्यान में रखकर समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने इसके बाद देवतालाब मंदिर का भ्रमण कर मुख्यमंत्री जी के दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। कमिश्नर ने मंदिर की साफ-सफाई तथा साज-सज्जा के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर तथा डीआईजी ने भगवान शिव के दर्शन तथा पूजा-अर्चना की। इसके बाद कमिश्नर ने बहुती जलप्रपात का भ्रमण किया। निरीक्षण के समय उपस्थित कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने मुख्यमंत्री के दौरे के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

जीप के बोनट पर बैठकर लहराई पिस्टल, रील बनाने युवक ने गैंगस्टर स्टाइल में किया स्टंट; अब पुलिस कर रही तलाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक युवक का गैंगस्टर स्टाइल में स्टंट करते हुए वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में युवक एक जीप के बोनट पर बैठकर खुलेआम पिस्टल लहराते नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह करतब फिल्म 'शूटआउट एट वडाला' से प्रेरित लगता है, जिसमें युवक न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन करता दिखा, बल्कि हथियार लहराकर दहशत फैलाने की कोशिश भी की।

इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ वीडियो, युवक की तलाश में जुटी पुलिस: वीडियो को 'शैलू बिछिया' नाम की इंस्टाग्राम आईडी से पोस्ट किया गया है। वीडियो में युवक दिनदहाड़े सड़क पर हथियार लहराता दिखाई देता है। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि युवक के पास जो पिस्टल है, वह संभवतः अवैध हो सकती है। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है और युवक से इस बारे में पूछताछ किया जाना बाकी है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस लगातार असामाजिक तत्वों पर सख्ती और अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई का दावा कर रही है, लेकिन ऐसे वीडियो सामने आने से कानून व्यवस्था और पुलिस की निगरानी पर सवाल उठने लगे हैं। खुलेआम पिस्टल लहराना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक माहौल को बिगाड़ने की कोशिश भी।

नईगढ़ी में ईद मिलादुन्नबी का जश्न, जामा मस्जिद से निकला जुलूस; सैकड़ों अकीदतमंदों ने मांगी अमन की दुआ

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी में शुक्रवार को ईद मिलादुन्नबी का त्योहार मनाया गया। जामा मस्जिद परिसर से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। हाफिज मोहम्मद फैज, जामा मस्जिद के सदर कमरुद्दीन खान और इमाम गुलशेर खान ने जुलूस की अगुवाई की। जुलूस मस्जिद परिसर से किला परिसर होते हुए वापस जामा मस्जिद पहुंचा। बच्चों और नौजवानों समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने हाथों में झंडे लेकर पैगंबर साहब की शान में नारे लगाए।

इमाम हाफिज मोहम्मद फैज ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने दुनिया को इंसानियत और मोहब्बत का संदेश दिया। कार्यक्रम में हाजी नईम खान, हाजी गुलशन खान, हसन खान समेत कई समाजसेवी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए कलेक्टर संजय कुमार जैन और एसपी आरएस प्रजापति के निर्देश पर पुलिस बल तैनात किया गया। अतिरिक्त एसपी विक्रम सिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी नईगढ़ी जगदीश सिंह ठाकुर और पुलिस बल मौजूद रहा। नईगढ़ी नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जुलूस निकाले गए। सभी जगह अकीदतमंदों ने अमन-चैन की दुआ मांगी।

बग्घियों में निकले मौलाना-काजी, जश्ने ईद-मिलादुन्नबी धूमधाम से मना, मस्जिदों में नमाज के बाद निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शुक्रवार को जश्ने ईद-मिलादुन्नबी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। दोपहर 1 बजे शहर की सभी मस्जिदों में जुमा की नमाज अदा की गई। इसके बाद दोपहर 2 बजे जुलूस-ए-मोहम्मदी नगर भ्रमण के लिए निकला।

मौलाना और काजी बग्घियों में सवार होकर जुलूस में शामिल हुए। जुलूस में पूर्व मंत्री सईद अहमद, कांग्रेस शहर अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी और युंका अध्यक्ष महसूद अहमद शेरू भी मौजूद रहे। पन्नीलाल चौक में इमामबाड़ा इंतजामिया कमेटी ने लंगर के साथ जुलूस का स्वागत किया। लालता चौक पर द अलमदार समिति ने जुलूस का इस्तकबाल किया।

सुबह 5 बजे से कम्पनी बाग स्थित सुन्नी नूरी जामा मस्जिद में मुए मुबारक की जियारत शुरू हुई। यह कार्यक्रम देर शाम तक चला। सुबह 10 बजे मुस्लिम यूथ ने जिला चिकित्सालय में फल वितरण किया। साढ़े 11 बजे सेवा संकल्प में भर्ती मरीजों को भोजन कराया गया।

समाजसेवी शेरू खान ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी अल्लाह का एहसान याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि पैगम्बर साहब का आगमन अंधेरे में रोशनी और जुल्म के दौर में इंसाफ का पैगाम था। इस दिन मुस्लिम समाज मस्जिदों, दरगाहों और मोहल्लों को सजाकर नात शरीफ पढ़ता है। पर्व के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस जवानों की चौराहों पर तैनाती की गई थी।

सांसद ने ली उर्वरक वितरण के संबंध में बैठक

पारदर्शिता के साथ किसानों को खाद वितरण की व्यवस्था सुगम बनाये: गणेश सिंह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न जिलों में रासायनिक खाद के वितरण में किसानों को हो रही कठिनाई के समाधान के लिए किसान संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन के साथ बैठक करने का निर्देश दिये थे। निर्देशों के परिपालन में सांसद सतना गणेश सिंह ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में जिला प्रशासन, कृषि और मार्कफेड के अधिकारियों तथा किसान संगठनों तथा संघों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक लेकर समीक्षा की। इस मौके पर सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष कृष्णा पाण्डेय, भारतीय किसान यूनियन के इंद्रजीत पाठक, दिलीप सिंह, भारतीय किसान यूनियन टिकैट ठाकुर प्रसाद सिंह, जिला महामंत्री किसान मोर्चा उपेंद्र तिवारी, लालबिहारी पाठक, दयाशंकर द्विवेदी, सुनील गौतम, डीडीए आशीष पाण्डेय, डीएमओ नेहा तिवारी, जीएम सहकारिता के.सी. शर्मा उपस्थित थे।

सांसद श्री सिंह ने कहा कि राज्य शासन द्वारा किसानों को खरीफ फसलों के लिए सुसंगत मात्रा में उर्वरकों की आपूर्ति की जा रही है और लगातार जिले में खाद के रैक लग रहे हैं। रैक लगने में एक-दो दिन का विलंब हो सकता है और वितरण के लिए समितियों तथा वितरण केन्द्रों में खाद पहुंचाने में भी समय लगता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर डबल लॉक केन्द्रों को विस्तारित कर तहसील स्तर पर भी डबल लॉक के वितरण केन्द्र बनाने का प्रयोग किया जा सकता है। ताकि किसानों को स्थानीय स्तर पर उर्वरक मिल सके।

किसान संगठनों ने वितरण व्यवस्था में सुधार के कई सुझाव दिए। बैठक में बताया गया कि अभी तक सतना जिले में 25,411 मेट्रिक टन तथा मैहर जिले में 11,000 मेट्रिक टन खाद राज्य षासन ने दिया है। जो विगत वर्ष की तुलना में 23,550 मेट्रिक टन से कही अधिक है। इस वर्ष बारिष अच्छी होने के कारण धान के बोनी का रकबा 20 प्रतिशत बढ़ा है। इसलिए खाद की मांग बढ़ गई। जिसके लिए किसानों को निरंतर आपूर्ति भी की जा रही है। अभी कल एक और रैक आने वाला है, उपलब्धता के आधार पर सभी समितियां में विषेश रूप से पहले उन किसानों को जिन्हें टोकन जारी किया गया है उन्हें खाद दिया जाएगा। इसके बाद भी रैक लगे हुए हैं और मांग के आधार पर आपूर्ति की जाएगी। सांसद ने कहा कि 8 तहसील में एक निगरानी कमेटी बनेगी जो डबल लष्क सिंगल लष्क और प्राइवेट खाद वितरण केन्द्रों पर नजर रखेगी। जो किसान नगद में खाद लेना चाहेंगे ऐसे किसानों को वहां नगद खाद भी षासन के निर्धारित दर पर मिलेगी। यह भी व्यवस्था की जाएगी। जिले में 108 समितियां पंजीकृत हैं, जिसमें आठ समितियां पर वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। समितियां में जो खाद वितरण होगी। उस पर हर रोज स्टष्क और वितरण की पर्ची बनाई जाएगी और खाद वितरण का समय भी निर्धारित किया जाएगा। किसान चाहे किसी भी श्रेणी का हो बड़ा, छोटा या बटाई वाले किसान उन्हें खाद उपलब्धता के आधार पर सभी को खाद मिलेगी और वितरण में पूरी पारदर्षिता का ख्याल रखा जाएगा। समितियो में अभी भी 733 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध है जो वितरण की जा रही है। उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय ने बताया कि सतना और मैहर जिले में डबल लॉक केन्द्रों, सहकारी समितियों तथा प्राइवेट उर्वरक विक्रेता के यहां उपलब्ध स्टाक को प्रतिदिन सार्वजनिक किया जा रहा है। ताकि किसान अपनी सुविधा अनुसार इन स्थानों से उर्वरक प्राप्त कर सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।